04 - तमिलनाडु : कमल हासन की गुजारिश और मोदी

05 - अंबेडकर का अपना सुख

A Daily News Magazine

इंदौर

सोमवार, 15 अप्रैल, 2024

06- रामनवमी उत्सव की तैयारी को लेकर इस्कॉन मंदिर परिवार में आंनद का...

07- सुप्रीम कोर्ट की बाबा रामदेव को फटकार

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक 180 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

पहली बात

घोषणा पत्र : पुराने मुद्दे, नया गणवेश

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

देश में लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है। चुनावी जंग के लिए भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस, दोनों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 24 गारंटियों के आधार पर चुनावी जंग में खम ठोक रही है, जबकि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में गरीब,पिछड़े और शोषित वर्गों के लिए 10 न्याय और 25 गारंटियां देने का ऐलान किया है। आम-चुनाव को लोकतंत्र का सबसे बड़ा और पवित्र उत्सव माना जाता है। हालांकि लोकतांत्रिक मर्यादाओं की कसौटियों पर विभिन्न दलों की चुनावी रणनीति लोकतंत्र के इस महापर्व को सबसे ज्यादा लांछित करती है। चुनाव में हार-जीत के संघर्षों में कूट रचनाओं की कालिख में सनी राजनीतिक कटुता और कलह की कहानी राजनीति शास्त्र में लिखी लोकतंत्र की खूबसूरत परिभाषाओं और कसीदाकारी को हमेशा झुठलाती नजर आती है।

घोषणापत्र अक्सर एक नई दृष्टि, नए दृष्टिकोण, नए कार्यक्रम या नई राजनीतिक शैली का प्रतिपादन होते हैं और सत्ता और समाज के नए रोडमैप की खूबियों को रेखांकित करते हैं। वे यथास्थिति की आलोचना करते हैं और आश्वस्त करते हैं कि नई राहें सुगम और सुखद होंगी। घोषणापत्रों मे नए आंदोलनों के बीज होते हैं,जो अनुकूल समय पर परिवर्तन का आधार बनते हैं। सामाजिक आंदोलनों और राजनीतिक विचारों की दुनिया में घोषणापत्रों की महत्ता को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। चुनावी घोषणापत्र किसी भी राजनीतिक पार्टी की नीयत और नीति का आईना होता है।

वैसे तो घोषणा पत्रों के आईने में कोई भी राजनीतिक दल बेदाग नहीं है। दिलचस्प यह है कि चुनाव के बाद कोई भी पार्टी कभी भी पलट कर अपने ही घोषणापत्र के आईने मे अपना चेहरा नहीं देखती है। आमतौर पर सभी दलों के घोषणापत्र खोखले शब्दों में लिखी एक ऐसी फरेबी राजनीतिक कविता होते हैं, जो जमीन पर स्वर्ग उतार लाने का वादा करती है। शब्दों की हेराफेरी के साथ भाजपा और कांग्रेस के घोषणापत्रों में समाज कल्याण के नाम पर वादों के पुराने पिटारे हैं, जिसे नए परिवेश में रंगीन पहरावे के साथ चांदी की थाली में पेश किया गया है।

भाजपा के घोषणापत्र में मुफ्त राशन स्कीम,, आयुष्मान योजना, लखपति दीदी की थीसिस, बुलेट ट्रेन, गरीबों को मकान जैसे अनगिन वादे हैं। समाज के हर तबके को लोगों के हितों को इस घोषणापत्र में समेटा गया है। भाजपा के संकल्प-पत्र में मुख्य तौर पर युवा-नारी शक्ति, गरीब और किसान, विकसित भारत क चार स्तंभों पर फोकस है। फर्क इतना है कि इस मर्तबा भाजपा का घोषणापत्र संगठन और सरकार की कार्य योजना के रूप में नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के रूप में पेश किया गया है।

कांग्रेस के घोषणापत्र में किसान, गरीब, बेरोजगार-युवा, महिला, आदिवासी, दलितों के प्रति मोदी-सरकार के अन्याय की कहानियों के मद्देनजर हर तबके को न्याय देने का वादा किया गया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं का क्षरण रोकने के लिए ठोस व्यवस्थाओं करने का संकल्प भी व्यक्त किया है। कांग्रेस ने वादा किया है कि वो देश के संसदीय लोकतंत्र की आधार-भूमि को इतना ठोस और पुख्ता बनाएगी कि कोई भी सरकार देश की न्याय-पालिका, कार्य-पालिका और विधायिका की सार्वभौमता को नुकसान नहीं पहुंचा पाएगी।

गौरतलब है कि जन-कल्याण की विभिन्न योजनाओं का यह लेखाजोखा उसी कामकाज का पुनर्प्रस्तुतिकरण है, जो पहले से ही जारी हैं। पुरानी योजनाओं को नए नाम और नए कलेवर के साथ परोसने का यह सिलसिला राजनीतिक दलों का पुराना शगल है, जिसे दस्तूर की तरह हर लोकसभा और विधानसभा चुनाव के पहले निभाया जाता रहा है। सत्ता की निरंकुशता की कहानियां नई नहीं हैं। कोई भी सरकार सत्ता के निरंकुश उपयोग के आरोपों से परे नहीं है। घोषणापत्रो के जरिए राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक कार्य योजना को लोगों के सामने प्रस्तुत करते हैं। मो टेतौर पर यह दस्तावेज सरकार की प्राथमिकताओं का लेखा-जोखा होता है, लेकिन सरकार के कामकाज के संचालन में यह हमेशा हाशिए पर ही रहता है।

घोषणापत्र याने 'मेनीफेस्टो' इतालवी शब्द है, जो लैटिन भाषा के 'एनीफेस्टम' शब्द से बना है।सबसे पहले 1620 में अंग्रेजी में 'मेनीफेस्टो' शब्द का इस्तेमाल हुआ था। राजनीतिक हलको में घोषणापत्र को नैतिक और नीतिगत संकल्पों का दस्तावेज माना जाता है। जनता भी इसे सरकार में आने के बाद राजनीतिक दलों का रोडमैप के रूप में अंगीकार करती है। अब राजनीतिक दल इसे अलग-अलग नामों से भी पेश करने लगे हैं। कोई इसे विजन डॉक्युमेंट कहता है तो कोई इसे संकल्प पत्र के रूप में सामने लाता है।

देश की राजनीति में घोषणापत्र अभी तक भुला देने वाले दस्तावेज रहे हैं। जनता की खुली अदालत जन प्रतिनिधियों से वादों की प्रतिपूर्ति के संबंध में कभी भी सवाल-जवाब नहीं किए जाते हैं। इन मामलों में कोई कानूनी जवाबदेही भी सुनिश्चित नहीं है। जबकि संविधान के नियम 324 के अंतर्गत भारत के चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलो व्दारा जारी किए जाने वाले घोषणापत्रों की गंभीरता को बखूबी रेखांकित किया गया है। चुनाव आयोग के अनुसार घोषणापत्र ऐसा कुछ भी नही हो सकता, जो संविधान के आदर्श और सिद्धांतों से प्रतिकूल हो, अलग हो या आचार संहिता के दिशा निर्देशों के अनुरूप नहीं हो। चुनाव आयोग ने अपने दिशा निर्देशो में स्पष्ट तौर पर लिखा है कि राजनीतिक दलों को ऐसे वादे करने से बचना चाहिए, जिनसे चुनाव प्रक्रिया के आदर्शों पर कोई असर पड़े या उससे किसी भी वोटर के मताधिकार पर कोई प्रभाव पड़ता हो।

चुनाव आयोग की यह हिदायत भी गौरतलब है कि मैनफेस्टो में की गई हर घोषणा के पीछे कोई तर्क या आधार होना चाहिए। इन वादों को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्त की पूर्ति करने के साधनों को लेकर भी जानकारी दी जाना चाहिए। अपने मतदाताओं से विश्वास मत उन्हीं मुद्दों पर मांगा जाना चाहिए जिन्हे पूरी करने की क्षमता सरकार बनाने वाले राजनीतिक दल में हो।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

धड़ मिल गया कहीं, तो कहीं सिर नहीं मिला,
पूरा जो आदमी हो वो आख़िर नहीं मिला ।
रिश्तों में मस्लहत पे बड़ा ज़ोर है इधर,
जो भी मिला, खुलूस की ख़ातिर नहीं मिला ।
यारों की यारियों का यहाँ ज़िक्र क्या करें,
उनसे गले मिले तो गला फिर नहीं मिला ।
अब हमसफ़र को सिर्फ़ है मंज़िल की जुस्तजू,
हर डग का मज़ा ले वो मुसाफ़िर नहीं मिला ।
अपनी जड़ों से कट के सुकूँ ख्वाब है मियाँ,
कुछ जिससे सीखते वो मुहाजिर नहीं मिला ।
बदली हुई हवा मेरी छत से गुज़र गई,
हसरत लिए हुए कि मैं हाज़िर नहीं मिला ।

- आलोक त्यागी

भारतीय सेना की ताकत अब हुई और ज्यादा 'बेजोड़'

- पोर्टेबल टैंक रोधी मिसाइल सिस्टम का टेस्ट हुआ सफल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने स्वदेश निर्मित 'मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल'

हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया है। यह आसानी से कहीं भी ले जाने और कहीं से भी दुश्मन के टैंक को निशाना बनाने में सक्षम है। इससे एमपीएटीएम को सेना के शस्त्रागार में शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस हथियार प्रणाली को रक्षा अनुसंधान व विकास संगठन (डीआरडीओ) ने विकसित किया है। इस सिस्चम में एमपीएटीजीएम, लॉन्चर, लक्ष्य प्राप्ति उपकरण और अग्नि नियंत्रण यूनिट है।

पिपरिया में प्रधानमंत्री ने चुनावी सभा को सम्बोधित किया

यह बाबा साहेब का संविधान है कि गरीब मां का बेटा मोदी तीसरी बार आपसे आशीर्वाद मांग रहा है

हीरालाल गोलानी सोहागपुर ।
ज्यादा दिन नहीं हुए हैं,जब पूरे प्रदेश ने देश को चोंका दिया था। और होशंगाबाद ने तो कमाल कर दिया था। यहां से लहर उठी थी। पूरे देश में पहुंच चुकी है। आज दिन का इतिहास का बड़ा दिन है। आज संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर की जयंती है। महुआ उनकी जन्मस्थली दूर नहीं है। उनके देश, विदेश के स्थलों को तीर्थ के रुप में विकसित करने का सम्मान भाजपा सरकार को मिला है। उक्त उद्गार पिपरिया में प्रथम आगमन पर भाजपा लोकसभा प्रत्याशी दर्शनसिंह चौधरी के समर्थन में आयोजित आमसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा, परिवाहन मंत्री राम उदयप्रताप सिंह, भाजपा लोकसभा प्रत्याशी एवं प्रदेश भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष दर्शनसिंह चौधरी सहित कई जानी मानी हस्तियां मंचासीन थीं।

आपने इसी संदर्भ में कांग्रेस सरकार पर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अपमानित करने का आरोप लगाया। श्री मोदी जी ने आगे कहा कि बाबा साहेब ने जो संविधान बनाया है।उसी कारण आज यह गरीब मां का बेटा मोदी तीसरी बार आपसे आशीर्वाद मांग रहा है। यह बाबा साहेब का संविधान है कि उनके कारण आदिवासी बेटी राष्ट्रपति देश की प्रथम महिला नागरिक है।जिसे कांग्रेस ने इस आदिवासी समाज को वंचित रखा गया। हमने बाबा साहेब को विचारों तक नहीं रखा। हमने भारत में नई पहचान दी है।

आप जो आनलाइन पैमेट करते हैं। डिजिटल यूटीआई, नाम रखा है वह भीम पे रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा सीट के अलावा पिपरिया विधानसभा से लगी, देश की आंखें जिस छिन्दवाड़ा लोकसभा को फतह करने का संकल्प भाजपा ने लिया है। उसी छिन्दवाड़ा लोकसभा सीट को साधने के लिए कहा कि इस भूमि ने देश की आजादी, राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया है। इस मिट्टी ने गोंडवाना राजा भभूत सिंह आदिवासी के रूप में एक महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी देश का दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा साथियों कांग्रेस ने कभी आदिवासियों के योगदान को स्वीकार नहीं किया है। हमें भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली में विकसित करने का सोभाग्य भाजपा को मिला है। प्रधानमंत्री ने बगैर नाम लिए नेहरू, गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा साथियों देखिये आजादी के दस दस साल कांग्रेस के एक एक परिवार ने रिमोट कंट्रोल से सरकार चलाई है। इसी परिवार ने देश में आपातकाल इमरजेंसी लगाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को मेहर की तरह गिरा देते हैं। कांग्रेस ने इसे अपने हिसाब से तोड़ा मरोड़ा है। जिसमें खुद का महिमा मंडन करवाया। आपने आगे कहा कि आज जब लोकतांत्रिक व्यवस्था फल-फूल रहा है। तो यह कांग्रेस वाले अफवाह फ़ैलाने लगाकर कहते हैं।कि संविधान एवं लोकतंत्र खतरे में है। कांग्रेस वालों आपको पता नहीं है कि बाबा साहेब के संविधान के कारण मोदी यहां तक पहुंचा है। अब तो कांग्रेस परिवार ही धमकी दे रहा है कि मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बना तो देश में आग लग जाएगी। यह 2014 में भी बोलते थे कि राम मंदिर के लिए बोलते थे कि आग लग जाएगी क्या आग लगी क्या? जम्मू काश्मीर से 370 धारा हटाओगे तो देश में आग लग जाएगी। उनका काम ही अफवाह फ़ैलाओ। भाईयों बहनों आग,जलन उनके दिलों दिमाग में लगी है।जो उनको जला रही है। यह जलन मोदी के कारण नहीं है। यह जलन 140 करोड़ देशवासियों के प्रेम के कारण है। उनको प्रेम सहन नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस दस साल से सत्ता से बाहर है।इसी कारण यह फड़फड़ा रही है। देश आगे उनको मौका देने को तैयार नहीं है। दुनिया भर थर कांप रही है। ऐसे में शक्तिशाली भारत बहुत जरूरी है। भारत का मजबूत होना आवश्यक है। अस्त्र सरकार, कमजोर, सरकार, भ्रष्ट, स्वार्थी नेताओं का गठबंधन क्या मजबूती से कार्य कर सकता है। क्या देश को मजबूत बना सकता है। आपने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र पर कहा में मोदी की गारंटी है कि मैं तीन करोड़ बहनों को लखपति बनाऊंगा। मुदा गारंटी का लोन 20 कर दिया है। किसानों को 20 हजार करोड़ किसानों को, 5 साल तक मुफ्त अनाज पांच साल तक मिलता रहेगा। 5 लाख तक इलाज मुफ्त मिलता रहेगा।

उत्तर, पूर्व और दक्षिण भारत में भी दौड़ेगी बुलेट ट्रेन

- भाजपा ने जारी किया घोषणा पत्र, नाम रखा 'भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी'
- सबका जीरो बिजली बिल, गरीबों को 3 करोड़ नए घर और 'यूसीसी' का वादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी मुख्यालय में बीजेपी का घोषणापत्र जारी किया। इस दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जीवायएएन (गरीब, युवा, अन्नदाता व नारीशक्ति) को लेकर आगे बढ़ रही है और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प ले रही है। लोकसभा चुनाव-2024 के संकल्प पत्र के विमोचन के दौरान पीएम ने इन चार वर्गों से एक-एक व्यक्ति को ये संकल्प पत्र सौंपा। पीएम मोदी ने कहा कि एक व्यक्ति, जो आज भरोसे का पर्याय बन चुका है क्योंकि मोदी की गारंटी ही गारंटी पूरी होने की गारंटी है। आने वाले 5 साल भी सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के होंगे, ये है मोदी की गारंटी। इसके बाद प्रधानमंत्री मंच पर आए। 46 मिनट की स्पीच में पिछले 10 साल के कामकाज का लेखा-जोखा देते हुए कहा- हमने धारा 370, महिला आरक्षण जैसे वादे पूरे किए। इसके बाद मोदी ने 2024 की गारंटी यानी वादे गिनाए। पीएम ने कहा अब उत्तर पूर्व से लेकर दक्षिण तक बुलट ट्रेन चलाने की तैयारी हो रही है। वहीं 70 साल की उम्र से ऊपर के किसी भी वर्ग के बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज, गरीबों के लिए 3 करोड़ घर, यूसीसी, गरीबों को मुफ्त राशन 2029 तक देने की गारंटी दी।

70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज का भी वादा

ईरान के हमले के बीच बड़े फैसले की तैयारी

इजरायल के लिए उड़ानें रद्द कर सकता है भारत

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान की सेना ने शनिवार देर रात 3 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) इजराइल पर करीब 300 ड्रोन और मिसाइल से अटैक किया है। इजराइली सेना ने इस हमले की जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने कुछ ड्रोन मार गिराए। वहीं, इजराइल के आयरन डोम ने ईरान की तरफ से दागी गई मिसाइलों को रोका। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, इजराइल के नेवातिम एयरफोर्स बेस को कुछ नुकसान पहुंचा है। हमले की वजह से मची भगदड़ में 12 लोग घायल हो गए। इजराइली चैनल 12 ने बताया कि ईरान ने ड्रोन हमला किया है। कुछ ड्रोन्स को सीरिया और जॉर्डन में भी मार गिराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने इजराइल पर इस हमले को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस नाम दिया। दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी एम्बेसी के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो टॉप आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे। इसके बाद ईरान ने बदला लेने के लिए इजराइल पर अटैक करने की धमकी दी थी। ईरान-इजराइल में तनाव को देखते हुए भारत की एयरलाइन्स तेल अवीव के लिए अपने फ्लाइट्स बंद कर सकती हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इसे लेकर जल्द ही आधिकारिक घोषणा हो सकती है। इससे पहले शनिवार को इजराइल में ऑपरेट होने वाली भारत की 2 प्रमुख एयरलाइन्स एयर इंडिया और विस्तारा ने ईरान के एयरस्पेस को इस्तेमाल न करने की घोषणा की थी। इजराइल पर हमले के बाद रविवार सुबह ईरान की संसद बुलाई गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कार्यवाही शुरू होते ही सांसदों ने डेथ टू इजराइल, डेथ टू अमेरिका के नारे लगाए। इजराइल पर हमला करने के लिए ईरानी सांसद सरकार को धन्यवाद कहते भी दिखे। दावा है कि हमले की वजह से ईरान को करीब 836 करोड़ रुपए का नुकसान पहुंचा है।

'एआई' ने अब बढ़ा दी है सीजेआई चन्द्रचूड़ की चिंता

कहा-यह गेम चेंजर, मगर साथ लाएगी कई अन्य चुनौतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का आम जीवन में इस्तेमाल तेजी से बढ़ता जा रहा है। इससे नौकरी के अवसर कम होने का खतरा मंडराने लगा है। एआई को लेकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ भी आशंकित हैं। उन्होंने कहा कि अदालती कामकाज में एआई का उपयोग अवसर के साथ-साथ कई चुनौतियां भी लेकर आता है। इन दोनों पहलुओं पर सूक्ष्म विचार-विमर्श समय की मांग है। उन्होंने भारत और सिंगापुर के उच्चतम न्यायालयों के बीच प्रौद्योगिकी और संवाद विषय पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में मुख्य संबोधन करते हुए कानूनी अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की परिवर्तनकारी क्षमता को रेखांकित किया और इसे एक गेम-चेंजर बताया।

चीफ जस्टिस ने कोलंबिया और भारत का जिक्र करते हुए उन विशिष्ट उदाहरणों पर जोर दिया, जहां एआई और खासकर 'चैटजीपीटी' तकनीक का उपयोग अदालती निर्णय में किया गया। उन्होंने अदालती कार्यवाही में एआई के उपयोग से जुड़े नैतिक, कानूनी और व्यावहारिक विचारों को नजरअंदाज करने के प्रति भी आगाह किया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c | न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 15 अप्रैल 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

सप्तम दिवस

स्वरूप कालरात्रि

मां के सप्तम रूप का नाम है मां कालरात्रि। यह मां का अति भयावह व उग्र रूप है। सम्पूर्ण सृष्टि में इस रूप से अधिक भयावह और कोई दूसरा नहीं। किन्तु तब भी यह रूप मातृत्व को समर्पित है। देवी मां का यह रूप ज्ञान और वैराग्य प्रदान करता है।

यूपी में पहली रैली में मायावती का बीजेपी पर निशाना

- सहारनपुर में कहा- इनकी कोई नाटकबाजी, जुमलेबाजी और गारंटी काम नहीं आने वाली

सहारनपुर (एजेंसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अंबेडकर जयंती के दिन से यूपी में चुनाव प्रचार शुरू किया। पहली रैली उन्होंने सहारनपुर के नागल में की।

मायावती ने कहा- हमारी पार्टी किसी भी विरोधी पार्टी के साथ चुनाव नहीं लड़ रही। भाजपा और कांग्रेस की कथनी-करनी एक जैसी है। अब ऐसा लगता है कि इस बार यह पार्टी भी केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस आने वाली नहीं है। ये भी सत्ता से बाहर होंगे। भाजपा पर हमलावर मायावती ने कहा- इनके चुनावी घोषणा पत्र और प्रलोभन में नहीं आना है। हमारी पार्टी किसी भी मामले में कहने में कम और काम करने में ज्यादा विश्वास जताती है।

आंध्र सीएम जगन मोहन रेड्डी पर विजयवाड़ा में हमला

- माथे पर चोट लगी, रोड शो के दौरान शख्स ने फूलों के साथ पत्थर फेंके

विजयवाड़ा (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर चुनाव प्रचार के दौरान शनिवार रात को पत्थर से हमला हुआ। इसमें जगन मोहन घायल हो गए। उनके माथे पर चोट लगी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जगन मोहन ने

विजयवाड़ा में मेमंता सिद्धम (हम सब तैयार हैं) बस यात्रा निकाली थी। वे बस के ऊपर से लोगों का अभिवादन कर रहे थे। इसी दौरान उन पर फूलों के साथ पत्थर फेंका गया। पार्टी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने सीएम पर पत्थर फेंका, जिससे उनकी बाईं आंख के ऊपर चोट लग गई। सीएम को प्राथमिक उपचार के लिए बस में ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सीएम रेड्डी ने अपनी बस यात्रा फिर से शुरू की। पार्टी ने सीएम पर हमले को लेकर तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) को जिम्मेदार ठहराया। पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अपने गुंडों से हमारे सीएम पर हमला करवाया।

सरबजीत सिंह के हत्यारे की पाकिस्तान में हत्या

'अज्ञात हमलावरों' ने किया हमला, लगा दिया ठिकाने

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के लाहौर में भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की जेल में हत्या करने वाले अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर सरफराज की रविवार को हत्या कर दी गई। अज्ञात हमलावरों ने सरफराज को गोलियों से उड़ा दिया। सरफराज ने ही साल 2013 में पाकिस्तान की कोट लखपत जेल में बंद भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारों पर हत्या कर दी थी। सरफराज और अन्य के खिलाफ पाकिस्तान में सरबजीत सिंह पर हमला करने का केस चला था, लेकिन 2018 में सबूतों की कमी के आधार पर उसे बरी कर दिया गया था। पंजाब के तरनतारन जिले के भिखीविंड गांव के रहने वाले किसान सरबजीत सिंह गलती से 30 अगस्त 1990 को पाकिस्तानी चले गए थे। वहां पाकिस्तानी सेना ने उन्हें गिरफ्तार करके जेल में बंद कर दिया था। सरबजीत पर पाकिस्तान ने झूठे मुकदमे लादते हुए आरोप लगाया कि लाहौर और फैसलाबाद में हुए बम धमाकों में सरबजीत सिंह

का हाथ था। बम धमाके में कुल 14 लोगों की मौत हुई थी और सरबजीत को मौत की सजा सुना दी गई। सरबजीत की बहन दलबीर, पत्नी सुखप्रीत के अलावा भारत सरकार ने भी सरबजीत को वापस भारत लाने की बहुत कोशिशें कीं, लेकिन ये प्रयास सफल नहीं हो सके। इसी दौरान सरबजीत पर पाकिस्तान के लाहौर स्थित जेल में हमला कर दिया गया, जिसमें उनकी जान चली गई। जेल में सजा काटने के दौरान सरबजीत के सिर पर ईंटों से वार किया गया था। इसके बाद उन्हें लाहौर के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, लेकिन जान नहीं बचाई जा सकी। पाकिस्तान में पिछले कुछ सालों में भारत के कई दुश्मन आतंकियों की एक-एक कर हत्या होती रही है। अज्ञात हमलावरों ने अब तक कई आतंकियों को ढेर कर दिया है। बीते दिनों ब्रिटिश अखबार द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले के बाद से भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ ने विदेशी धरती पर 20 लोगों की हत्या की है। नई दिल्ली ने उन लोगों को निशाना बनाने की नीति लागू की हुई है, जिसे वे भारत का दुश्मन मानते हैं।

मोदीजी ने लॉटरी बेचने वालों और वैक्सीन बनाने वालों तक से पैसे लिए

- प्रियंका गांधी ने राजस्थान में कहा-प्रधानमंत्री अब बहकी-बहकी बातें करते हैं

भीनमाल (एजेंसी)। राजस्थान के भीनमाल (जालोर) में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सियासी हमला किया। उन्होंने कहा कि मोदीजी आजकल बहकी-बहकी बातें कर रहे हैं। कभी झूठी वीरता दिखाते हैं, कभी गटर से गैस बनाते हैं, कभी बादल में मिसाइल छोड़ते हैं, कभी हवा में उड़ते हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि करना क्या है। वे असल में देश की जनता से कट चुके हैं। महंगाई और आम आदमी की समस्या पर बात नहीं कर रहे हैं। जालोर-सिरोही से कांग्रेस ने अशोक गहलोत के बेटे

वैभव गहलोत को उम्मीदवार बनाया है। वैभव के समर्थन में हो रही सभा में सचिन पायलट सहित कांग्रेस के बड़े नेता पहुंचे हैं। केवल आपको कुछ देने का प्रचार किया जा रहा है, लेकिन आपको कुछ मिल नहीं रहा है। कांग्रेस की सरकार ने करोड़ों लोगों को गरीबी से निकाला, लेकिन भाजपा की सरकार ने करोड़ों लोगों को गरीबी में ढकेला है। भाजपा की सरकार फिर से आई तो कुछ बदलेगा नहीं। ये देश किसी जी-20 से या बड़े-बड़े इवेंट्स से आगे नहीं बढ़ सकता। अब साफ-साफ दिख रहा है कि मोदीजी गरीब के संघर्ष को पहचानने का तैयार नहीं हैं। भ्रष्टाचार के बहाने दो-दो मुख्यमंत्री जेल में हैं। सभी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। पहले भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं फिर उनकी पार्टी में जाते ही वो लोग साफ हो जाते हैं। आज देश में सबसे बड़ा भ्रष्टाचार सामने आया है जब सुप्रीम कोर्ट ने चंदे की सूची मांग तो सच्चाई सामने आई है। मोदी जी ने भ्रष्ट लोगों से तो चंदा ही लिया, गुजरात में जो पुल गिरा था उस कंपनी से, वैक्सीन बनाने वालों से, लॉटरी वालों तक से चंदा लिया। इससे बड़ी भ्रष्टाचार और क्या होगा। पेपरलीक पूरे देश में हो रहे हैं। इसे रोकने के लिए हम एक कानून लाएंगे। इसमें एक जॉब कैलेंडर होगा। परिवार की सबसे बड़ी महिला को हमारी सरकार बनने के बाद सालाना एक लाख रुपए मिलेंगे।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण संपन्न

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कृषि संकाय द्वारा तीन दिवसीय मशरुम उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रम ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यशाला में विदेश के प्रतिभागियो की भागीदारी विशेष रही। वर्कशॉप में 22 राज्य सम्मिलित हुए। साथ ही लगभग 750 कृषि वैज्ञानिक, छात्र, उद्यमी एवं किसानों ने वर्कशॉप में भाग लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विजय सिंह, विषय विशेषज्ञ डॉ एम पी ठाकुर, डायरेक्टर इंस्ट्रक्शन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़, डॉ आर के बंसल डायरेक्टर जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी जयपुर, डॉ. एच. एस. गोस्वामी, संचालक ओमकार लाइफ केयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ग्वालियर, डॉ. अजय कुमार जायसवाल, असिस्टेंट प्रोफेसर संगम यूनिवर्सिटी भीलवाड़ा राजस्थान, डॉ शमशेर आलम, प्रोग्राम असिस्टेंट केवीके मेनपाट सरगुजा छत्तीसगढ़, डॉ पूजा दुबे पांडे, डायरेक्टर, बेटी इनोवेटिव प्राइवेट लिमिटेड इंदौर, श्री प्रवीण वर्मा, डायरेक्टर मशरूम फार्मिंग मनुपरा ग्रोअप फाउंडेशन झांसी उत्तर प्रदेश, श्री रोहित रावत, डायरेक्टर हरि लाइफ साइंसेज भोपाल, सुश्री आकांक्षा कश्यप, हेड अकेडमी हरि लाइफ साइंसेज भोपाल, आरएनटीयू कृषि विभाग के डीन और कार्यक्रम कन्वीनर डॉ. हर दयाल वर्मा, को-कन्वीनर डॉ ए के वर्मा, एसोसिएट डीन, कोऑर्डिनेटर डॉ एम के धाकड़ और श्री महेश कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर एग्रीकल्चर आरएनटीयू विशेष रूप से उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियो ने मशरुम उत्पादन में प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कार्यक्रम में उपस्थित बतौर मुख्य वक्ताओं ने बताया कि मशरुम मुख्य रूप से हमारे भोजन शामिल है, जो कि प्रोटीन का स्त्रोत है। मशरुम उत्पादन की महत्ता एवं उसके भारत में उत्पादन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों से साझा की। उन्होंने खाने योग्य मशरुम और जहरीले मशरुम के बारे में भी जानकारी दी। मशरूम का चिकित्सा के क्षेत्र में क्या क्या उपयोगिता है की जानकारी भी साझा की। उन्होंने आगे मशरुम उत्पादन मॉडल के रख रखाव और तैयार करने कि विभिन्न विधियों की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. विजय सिंह, कुलसचिव, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि कैसे मशरुम उत्पादन प्रशिक्षण में ट्रेनिंग लेकर अधिक से अधिक लाभ अर्जित कर सकते है और एक अछे उद्यमी बन सकते हैं। वहीं कार्यक्रम के तृतीय दिवस के समापन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. संगीता जौहरी, प्रति कुलपति के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्र- छात्राओ को सर्टिफिकेट वितरित किये गए।

नवरात्रि में मछली खाकर क्या संदेश देना चाहते हैं तेजस्वी

राजद नेता पर अब रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी साधा निशाना

जमुई (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को जमुई में एनडीए प्रत्याशी अरुण भारती के लिए चुनावी रैली की। रैली में राजनाथ सिंह ने जहां लालू यादव परिवार पर निशाना साधा, वहीं दावा किया कि

- कहा-हमने जो वादे किए, वो पूरे किए, चाहे राम मंदिर हो या 370

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार भी भारत के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना राजनाथ सिंह ने नवरात्रि के दौरान मछली खाने की बात का जिक्र करते हुए कहा, आप मछली, सुअर या हाथी खा सकते हैं, लेकिन ऐसे समय में जब लोग व्रत कर रहे हों, तब आप अपने कृत्य का दिखावा करके क्या साबित करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि चारा खाने वाले परिवार के लोग नवरात्र के दौरान हेलीकॉप्टर में बैठकर मछली खाकर क्या संदेश देना चाहते हैं। ये लोग तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि अभी से ही पीएम मोदी को विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों के लिए निमंत्रण मिल रहे हैं, जो इस बात का पुख्ता सबूत है कि दुनिया मानती है कि सत्ता में मोदी की वापसी अपरिहार्य है।

सलमान खान के घर के बाहर 4 राउंड फायरिंग

- हमले के वक्त घर पर थे ऐक्टर, लॉरेंस गैंग के हमले का दावा

मुंबई (एजेंसी)। सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने रविवार सुबह 5 बजे फायरिंग की गई। 2 बाइक सवारों ने 4 राउंड फायर किए। जिस वक्त फायरिंग हुई, उस वक्त सलमान अपने घर में ही थे। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सलमान खान से फोन पर बात की। शिंदे ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से भी बात करते हुए सलमान की सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए कहा है। सलमान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कनाडा के वैंकूवर में 24 वर्षीय भारतीय छात्र की हो गई हत्या

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा के वैंकूवर में एक 24 वर्षीय छात्र की कार के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान चिराग एंटिल के रूप में की गई है। वह हरियाणा का रहने वाला था। वैंकूवर पुलिस ने एक बयान में बताया कि पड़ोसियों के दावारा गोली चलने की आवाज सुनने के बाद छात्र का शव कार के अंदर पाया था।

- ऑडी के अंदर मारी गोली, हरियाणा का था रहने वाला

भारतीय छात्र को मारे जाने की घटना ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले ही कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने एक सार्वजनिक सुनवाई के दौरान कहा था कि कनाडा देश में आने वाले हर किसी की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस ने बताया कि 12 अप्रैल की रात 11 बजे के आसपास 55 एवेन्यू पर पड़ोसियों ने गोली चलने की आवाज सुनी, जिसके पास उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को 24 वर्षीय चिराग एंटिल को एक गाड़ी के अंदर मृत पाया गया। पुलिस ने बताया कि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और जांच जारी है। चिराग अंतिल के भाई रोनित ने पत्रकारों को बताया कि सुबह जब उनकी फोन पर बात हुई तो चिराग खुश लग रहे थे। बाद

में चिराग ने कहीं जाने के लिए अपनी ऑडी निकाली, तभी उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। कनाडा में मौजूद भारतीय मिशन को भारतीय छात्र की मौत की पुष्टि की है और बताया है कि वह कनाडाई अधिकारियों के संपर्क में हैं।

किसी कहानी को बीस शॉट की तुलना में पाँच शॉट में कहना ज़्यादा कठिन है : अब्बास किरोस्तामी

सिने क्लासिक में ईरानी फ़िल्म क्लोज़-अप दिखाई गई। किसी कहानी को बीस शॉट की तुलना में पांच शॉट में बताने के लिए अधिक सटीकता की आवश्यकता होती है। मशहूर ईरानी फ़िल्मकार अब्बास किरोस्तामी का ये कथन आज उनकी फ़िल्म में स्पष्ट परिलक्षित हुआ। सिने क्लासिक में आज अब्बास किरोस्तामी की ईरानी फ़िल्म 'क्लोज़-अप' का प्रदर्शन किया गया। ये एक ईरानी डॉक्यू-ड्रामा है जो वास्तविक कहानी है। यहाँ तक कि इसके किरदार भी असली हैं।इस फ़िल्म को विश्व की महान फ़िल्मों में गिना जाता है और कई पुरस्कारों से नवाज़ा जा चुका है।

क्लोज़-अप अपनी अनूठी कथा शैली और कल्पना और वास्तविकता के साथ अविस्मरणीय प्रयोगों के कारण अत्यंत प्रभावशाली है। इसे रिलीज़ हुए तीन दशक बीत चुके हैं, लेकिन यह अभी भी मानव प्रकृति और सिनेमा के महानतम सिनेमाई अध्ययनों में से एक बनी हुई है।

सन् 1990 की 98 मिनट की फ़िल्म को दर्शकों ने बहुत सराहा और फ़िल्म के बाद इस पर चर्चा में भाग लिया। फोटोग्राफर वामिका ने कहा कि रियलिस्टिक अपरोच के साथ फ़ोटोग्राफ़ी कठिन है लेकिन इसे बखूबी किया गया। रंगमंच अभिनेता हर्षित ने फ़िल्म के नैरेटिव और किरदारों की सादगी को इंगित किया वही डिज़ाइन शिक्षिका सुव्रता ने फ़िल्म के ट्रीटमेंट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि किरोस्तामी ने इतनी आसानी से पूरी कहानी को प्रस्तुत किया वो विस्मित करता है।

शिवाजी नगर स्थित महिला चेतना मंच के सभाकक्ष में प्रदर्शित फ़िल्म को देखने उत्साही रसिक मौजूद थे। संयोजक सुनिल शुक्ल ने फ़िल्मकार का परिचय देते हुए कहा कि अब्बास किरोस्तामी एक चित्रकार, इलस्ट्रेटर, ग्राफ़िक डिज़ाइनर और कवि भी थे सो उनका सिनेमा भी एक कविता की तर्ज़ पर चलता प्रतीत होता है।

रूप बदल चुका है साम्राज्यवाद: विनीत तिवारी

भोपाल। पूरी दुनिया में साम्राज्यवाद अपना चेहरा बदल कर आज भी अलग अलग देशों में जनता को परेशान कर रहा है। अब वह किसी देश के रूप में नहीं बल्कि वित्तीय पूंजी के रूप में हमारे सामने है। ये बातें कवि एवं विचारक विनीत तिवारी ने रविवार को भोपाल में प्रगतिशील लेखक संघ

के स्थापना दिवस से संबंधित एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि इसका मुकाबला करने के लिए दुनिया के तमाम छोटे देशों को एकजुट करना होगा। 'साम्राज्यवाद और विस्थापनः साहित्य में उपस्थिति' विषय पर अपने व्याख्यान में उन्होंने फिलीस्तीन में व्याप्त मौजूदा संकट के हवाले से बताया कि कैसे फिलिस्तीन के आम जन लगातार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में और मौत के भय में जी रहे हैं वहीं वहां के साहित्यकार अपने लेखन में न केवल अपने समय की भयावहता को जी रहे हैं बल्कि उन्होंने बेहतर दुनिया के अपने स्वप्न को भी अपनी कलम से जिंदा रखा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार राकेश दीक्षित ने कहा, 'इजरायल और फिलिस्तीन के विवाद की जड़ें प्राचीन काल में निहित हैं लेकिन वर्तमान अरब इजरायल विवाद की जड़ें 19वीं शताब्दी में निहित हैं।' उन्होंने इजरायल और फिलिस्तीन के वर्तमान संघर्ष के संदर्भों को भी रेखांकित किया। कार्यक्रम में युवा कवियत्री पूजा सिंह और वरिष्ठ कवियत्री प्रज्ञा रावत ने फिलिस्तीनी कविताओं का पाठ भी किया। कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र शैली ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कवि कुमार अंबुज, राजेंद्र शर्मा, संध्या कुलकर्णी, प्रतिभा गोटीवाले समेत बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य लोग एकत्रित थे।

परिणाम से असंतुष्ट हैं तो 25 अप्रैल तक कर सकते हैं रीचेकिंग के लिए आवेदन, इतना लगेगा शुल्क

इंदौर एजेंसी। ऑल इंडिया बार एसोसिएशन की परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी अब परीक्षा कॉपियों की री-चेकिंग के लिए आवेदन कर सकेंगे। उन्हें आवेदन ऑल इंडिया बार एसोसिएशन की अधिकृत वेबसाइट पर करना होगा। अन्य किसी माध्यम से किए जाने वाले आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदन शुल्क 200 रुपये रखा गया है। अभ्यर्थी 25 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। इस तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

पहली बार री-चेकिंग का प्रावधान

ऑल इंडिया बार एसोसिएशन की परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में अब तक री-चेकिंग का कोई प्रावधान नहीं था। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और इंदौर अभिभाषक संघ के पदाधिकारी लंबे समय से इस परीक्षा में री-चेकिंग की व्यवस्था शुरू करने की मांग कर रहे थे। इस वर्ष पहली बार री-चेकिंग का प्रावधान किया गया है।

परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद ही मिलती है स्थाई सनद: एलएलबी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद राज्य अधिवक्ता परिषद में सनद के लिए आवेदन करना होता है। आवेदन पर राज्य अधिवक्ता परिषद वकीलों को अस्थाई सनद जारी करती है जो सिर्फ दो वर्ष के लिए होती है। इन दो वर्षों के भीतर वकील को ऑल इंडिया बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करना होती है। यह परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित होती है।

ऑल इंडिया बार एसोसिएशन देता है स्थाई सनद

इस परीक्षा के उत्तीर्ण करने के बाद ही अभिभाषक को स्थाई सनद जारी की जाती है। जो वकील अस्थाई सनद प्राप्त होने के दो वर्ष के भीतर आल इंडिया बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित परीक्षा को उत्तीर्ण नहीं कर पाते हैं उन्हें अस्थाई सनद प्राप्त होने की तिथि से दो वर्ष पूरे होने के बाद तब तक वकालत करने की अनुमति नहीं रहती जब तक कि वे परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर लेते। हर वर्ष इस परीक्षा में इंदौर से सैंकडों परीक्षार्थी शामिल होते हैं। कुछ दिन पहले ही इस वर्ष की परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है।

इंदौर सिटी बसों की हालत कंडम

बस ऑपरेटर्स का कमाल, पहिया, गेट और इंजन के पार्ट्स गायब

इंदौर, एजेंसी। एआईसीटीएसएल (अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड) कंपनी शहर की लाइफ लाइन बन चुकी अपनी सिटी बसों की हिफाजत नहीं कर पा रहा है। चंदन नगर डिपो से सिटी बसों के पार्ट्स गायब हो रहे हैं। इसी कारण एक-दो नहीं, बल्कि 10 से ज्यादा बसें कंडम हालात में पहुंच गई हैं। ये बसें थोड़े से काम के बाद सड़क पर चलने लायक हो सकती थीं। एआईसीटीएसएल शहर में 40 से 45 रूट पर 250 से ज्यादा सिटी बसें चला रहा है। इनमें से अक्सर 15 से 20 बसें ऑफ रूट यानी खराब होती रहती हैं। इन बसों को अलग-अलग हिस्सों में बने डिपो में सुधरने के लिए खड़ा किया जाता है। एक डिपो चंदन नगर में भी बना है। भास्कर रिपोर्टर इस डिपो में पहुंचा तो 15 बसें खड़ी मिलीं। बताया जाता है कि ये दो साल से यहीं पर हैं। समय के साथ इन बसों के पार्ट्स गायब होते गए। अब इनमें पहिए, गेट, इंजन के कलपुर्जे, कैमरे जैसे सामान नहीं हैं। पहिए नहीं होने पर पत्थर और अन्य सामान के सहारे इन्हें टिकाकर खड़ा किया है। सूत्रों का कहना है कि यह कमाल बस ऑपरेटर्स का है। जरूरत होने पर यहां से बसों के पार्ट्स निकालकर दूसरी बसों में लगा दिए, जबकि नियमानुसार ऐसा नहीं किया जा सकता है। यदि बहुत ज्यादा स्थिति ऐसी बनती है कि पार्ट्स मिल नहीं रहे हैं तो सिटी बस कंपनी की अनुमति लेकर पार्ट्स निकाले जा सकते हैं, लेकिन उन्हें फिर से लगना रहता है।

40 प्रतिशत राशि सरकार ने दी, इसलिए ये शासन की संपत्ति

यहां एआईसीटीएसएल की सिटी बसों के अलावा अमृत प्रोजेक्ट और सूत्र सेवा की बसें भी खड़ी रहती हैं। 65 बसें आइशर कंपनी की हैं, जो एआईसीटीएसएल ने खरीदी। वहीं, सूत्र सेवा और अमृत प्रोजेक्ट के तहत खरीदी गई बसों के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने 40 प्रतिशत राशि दी। ऐसे में ये बसें सरकार की संपत्ति है, न कि ऑपरेटर की। सूत्रों का कहना है कि सिटी बस कंपनी के कर्मचारियों को इसकी पूरी जानकारी है, लेकिन वरिष्ठ अफसरों को इस बारे में नहीं बताया। बताया जाता है कि बचाव के लिए ऑपरेटर को नोटिस दिया। हालांकि किस ऑपरेटर को नोटिस दिया, यह कहने से बच रहे हैं।

राजस्व न्यायालयों के प्रकरण में अनियमितता पर गिरी गाज

इंदौर एजेंसी। गौरतलब है कि करीब एक सप्ताह पूर्व कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर सपना लोवंशी, रोशन राय व गौरव बैनर ने राजस्व न्यायालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया था। निरीक्षण में पटवारी व राजस्व निरीक्षकों को प्रकरणों को लंबित रखने व उनके द्वारा रिपोर्ट कई महीनों से पेंडिंग रखी गई थी। कुछ पटवारी के खिलाफ आदेश के अमल के लिए लोगों से पैसे मांगने की शिकायत हुई थी।

बाबा साहेब आंबेडकर को गार्ड ऑफ ऑनर आतिशबाजी से रोशन हुई उनकी जन्मस्थली

इंदौर एजेंसी। बाबा साहेब आंबेडकर जयंती 2024 के मौके पर उनकी जन्मस्थली महू में महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। शनिवार रात 12 बजे से ही कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई है। काली पल्टन स्थित भीम जन्मभूमि स्मारक पर आंबेडकर जयंती महोत्सव हो रहा है। रात 12 बजे समता सैनिक दल ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को गार्ड ऑफर ऑनर दिया। रात 12.01 बजे रंगारंग आतिशबाजी भी की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में डॉ. आंबेडकर के अनुयायी मौजूद रहे। रविवार सुबह मुख्य आयोजन होगा, जिसमें करीब 2 लाख लोगों के पहुंचने की संभावना है। महू में बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के मौके पर कई राजनीतिक दलों के नेता भी 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जन्मभूमि पर आकर माल्यार्पण करेंगे। इस बार आचार संहिता के चलते कोई भी राजनीतिक आयोजन महू में नहीं हो रहा है। सभी दलों के नेता यहां अंबेडकर जयंती पर जन्मस्थली पहुंच कर प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे।

गड़बड़ी करने वाले 5 पटवारी और आरआई सस्पेंड :रेवेन्यू में मिली लापरवाही; बेवजह कई कामों को रोका, लेन-देन की भी शिकायतें

इंदौर, एजेंसी। कलेक्टर आशीष सिंह ने गड़बड़ी पाए जाने पर पांच पटवारियों व एक आरआई को सस्पेंड कर दिया है। करीब एक हफ्ते पहले कलेक्टर ने अपर कलेक्टरों की टीम बनाकर अवकाश के दिन सभी रेवेन्यू कोर्ट खुलवाकर निरीक्षण किया था। इसमें कई प्रकार की बड़ी गड़बड़ियां मिली। कलेक्टर ने इसकी पुष्टि की है। जिन पटवारियों को सस्पेंड किया गया है वे रोशिता तिवारी (मल्हारगंज), हरीश शर्मा (मल्हारगंज), ओम परवार (बिचौली हप्सी), प्रभुदयाल मुकाती (जूनी इंदौर) और नितेश राणा (राऊ) हैं। इनमें रोशिता तिवारी और हरीश शर्मा को भू अभिलेख में अटैच किया गया। ओम परवार को हातोद, प्रभुदयाल मुकाती को महू और नितेश राणा को देपालपुर अटैच किया गया है। आरआई सुबोध टैनी को भी सस्पेंड किया गया है।

यह है मामला

- इन छह के खिलाफ लेन-देन की भी कई शिकायतें थी।
- अधिकारियों ने जो जांच की थी उसमें पाया कि कई काम थोड़े से रिमार्क के कारण काफी समय से रोके गए थे।
- यह भी जानकारी मिली थी कि कई काम इसलिए रोके गए क्योंकि संबंधित से रुपए नहीं मिले थे।
- ये लोग नामांकन, बटांकन, सीमांकन से जुड़े कामों को लेकर काफी परेशान कर रहे थे। बिना लिए कोई फाइल आगे नहीं बढ़ाते थे।
- अभी और भी शिकायतों की जांच चल रही है। कुछ और पर भी ऐसी कार्रवाई हो सकती है।

बुकिंग लोकेशन से घर पहुंचा रैपिडो ड्राइवर, दो मोबाइल और लैपटॉप चुराकर भागा

इंदौर एजेंसी। इंदौर में रैपिडो ड्राइवर ने बुकिंग लोकेशन पर पहुंचकर दो मोबाइल और लैपटॉप चुरा लिए। उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बुकिंग की लोकेशन से आरोपी ड्राइवर एक युवक के घर पहुंचा था और घर पर ही चोरी कर ली। पुलिस थाना लसूड़िया पर फरियादी राज शेखर पिता रमापद दत्त उम्र 27 साल निवासी बापजी नगर ने रिपोर्ट में बताया कि सात अप्रैल को रात करीब साढ़े 12 बजे रेपिडो से विजयनगर मंगल सिटी जाने के लिए बुकिंग की। किराया ज्यादा लगा तो उसने बुकिंग कैंसिल कर दी। इसके बाद रेपिडो ड्राइवर फरियादी के घर पहुंचा और गेट खटखटाया। गेट खोला तो रेपिडो वाले ने फरियादी से पानी मांगा। इसके बाद साथी के साथ घर में घुसा और दो मोबाइल छीन लिए

और एक लैपटॉप बैग सहित उठा लिया। इसके बाद में दोनों आरोपी धक्का-मुक्की करके भाग गए।

पढ़ाई करने आया था आरोपी

शिकायत पर मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। मामले में पुलिस ने शिवम और उसके साथी निखिल सिंह गहरवार उम्र 21 साल निवासी गांव- पटेरा, थाना कोतवाली जिला सीधी को गिफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मोबाइल और लैपटॉप भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस ने स्कूटी भी जब्त कर ली है। पुलिस ने बताया कि शिवम पढ़ाई करने इंदौर आया था फिर पार्ट टाइम जॉब करने लगा। अब पुलिस उससे अन्य वारदातों में भी पूछताछ कर रही है।

इंदौर का ट्रैफिक सुधारने के लिए सड़कों पर उतरे छात्र, अभ्यास मंडल ने दिया मार्गदर्शन

इंदौर एजेंसी। शहर के यातायात सुधार जन जागरूकता अभियान की चौथी कड़ी में अभ्यास मंडल ने आज सुबह सत्य साईं चौराह विजय नगर पर यातायात संभाला। चौराहे पर यातायात में भी नंबर वन आने के लिए चालकों को सीख दी गई। प्रो सीमा सिंह, प्रो डा किन्जाल शाह के नेतृत्व में गुजराती इनवोटिव कॉलेज एनएसएस के 30 छात्र, छात्राओं तथा समाजकार्य महाविद्यालय के गीतांजली, संस्कार पटेल ने मोर्चा संभाला। सत्यसाईं चौराह के सभी सिग्नल पाइंट पर अभ्यास मंडल कार्यकर्ता, छात्र छात्राओं, यातायात पुलिस ने, हाथों में जन जागरूकता की तख्तियां लेकर यातायात सुगमता से संचालित किया। नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों का सम्मान गुलाब के फूल देकर किया गया। यातायात प्रबंधन पुलिस उपायुक्त अरविंद तिवारी और छात्रों ने किया। अभ्यास मंडल द्वारा तैयार किया गया यातायात नियमों के पालन करने का स्टीकर भी गाड़ियों पर लगाया गया। प्रारंभ में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुशील कुमार तिवारी, यातायात प्रशिक्षक रणजीत सिंह, सुमंतसिंह ने सभी छात्र छात्राओं को यातायात संभालने के लिए प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर यातायात पुलिस उपायुक्त महानगर अरविंद तिवारी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुशील कुमार तिवारी, थाना प्रभारी लाल बहादुर बौद्ध, निरीक्षक आशा तिवारी, राजेश बारवाल उनकी टीम के साथ उपस्थित थे। यातायात पुलिस उपायुक्त अरविंद तिवारी ने अभ्यास मंडल की इस पहल का स्वागत किया। वरिष्ठ नागरिकों ने कहा कि आने वाले समय में इसका फायदा होगा। पूरे शहर को एक अच्छा संदेश दिया जा रहा है।

यातायात सुधार के अच्छे कार्य में भाग ले रहे छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अभ्यास मंडल के रामेश्वर गुप्ता, गौतम कोठारी, डॉ शंकर गर्ग, शफी शेख, मुरली खंडेलवाल, स्वप्निल व्यास, किशन सोमानी, सुशीला यादव, गिरीश सेठ, द्वारका मालविया उपस्थित थे। संचालन माला सिंह ठाकुर और एन के उपाध्याय ने किया। यातायात प्रबंधन के इस अनूठे आयोजन में गुजराती कालेज की प्रो श्रृद्धा कटारिया, प्रो स्वीटी कुलकर्णी, प्रो प्राची मोटवानी आदि भी उपस्थित थे।

मध्य प्रदेश में जारी रहेगा तूफानी बारिश का दौर, ओले भी पड़ेंगे

इंदौर एजेंसी। मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में तेज आंधी के साथ जोरदार बारिश देखी जा रही है। कुछ इलाकों में ओले भी पड़े हैं। तेज बारिश और ओले गिरने से किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। खेतों में कटी गेंहू की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग ने हाल फिलहाल में बारिश और खराब मौसम से राहत मिलने के आसार नहीं जताए हैं। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश में 15 अप्रैल तक मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग के मुताबिक, एक पश्चिमी विक्षोभ ईरान के पूर्वी हिस्से और अफगानिस्तान पर एक्टिव है। यही नहीं दक्षिण-पश्चिम राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में एक निम्न दबाव का क्षेत्र मौजूद है। एक ट्रफ रेखा राजस्थान से यूपी, बिहार होते हुए झारखंड तक फैली नजर आ रही है। एक अन्य ट्रफ केरल कर्नाटक से होते हुए गोवा

तक फैला है। असम पर भी एक वेदर सिस्टम एक्टिव है। इन मौसमी सिस्टम का प्रभाव उत्तर पश्चिमी और मध्य भारत के विभिन्न हिस्सों तक देखा जा रहा है। मौसम विभाग की मानें तो इन वेदर सिस्टम के प्रभाव से मध्य प्रदेश में 15 अप्रैल तक मौसम खराब रहेगा। ढूस्क ने 14 और 15 अप्रैल को मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक रूप से बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। कुछ जगहों पर ओले पड़ने की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग ने इसको लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने 15 अप्रैल को भी मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। ढूस्क ने इसको लेकर यलो अलर्ट जारी किया है। कुछ इलाकों में ओले गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है। इसके बाद से मौसम साफ होने लगेगा। मौसम विभाग ने 14 और 15 अप्रैल यानी आज और कल दोनों दिन मौसम के खराब रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश के अधिकांश इलाकों में मौसम के खराब रहने का पूर्वानुमान जारी किया है।

संपादकीय

अपने गिरेबान में भी झांकें पीएम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी पार्टियों के गठबंधन को भ्रष्टाचारियों के गठबंधन के रूप में प्रस्तुत कर विरोधियों पर लगातार हमले कर रहे हैं। वो साफ कह रहे हैं कि उन्हें पीएम के रूप में तीसरा कार्यकाल इसलिए चाहिए क्योंकि तमाम भ्रष्टाचारियों पर कार्रवाई करनी है। देश से भ्रष्टाचार मिटाना है। लेकिन वो अपनी पार्टी में शामिल हो रहे कथित भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई को लेकर ज्यादा नहीं बोल रहे हैं। इस सवाल का जवाब अभी तक नहीं मिला है कि बीजेपी में शामिल होते ही भ्रष्ट नेताओं पर दर्ज केस 'खत्म' क्यों हो जाते हैं? इससे उनकी नीयत पर संदेह पैदा होना स्वाभाविक है। हाल में एक विदेशी मीडिया को दिए इंटरव्यू में मोदी ने डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी) यानी कि लोगों के बैंक खातों में सीधे पैसे भेजने के फायदे गिनाते हुए कहा कि 'सरकार को डीबीटी के जरिए 10 करोड़ से ज्यादा फर्जी लाभार्थियों को हटाने में मदद मिली है। सरकार ने इससे 2.75 लाख करोड़ रुपये बचाए हैं, जो गलत हाथों में जा रहे थे।' उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार का असर पूरे देश के लोगों पर पड़ता है। भ्रष्टाचार खत्म करना ही मेरी प्राथमिकता है। विरोधियों पर ईडी की कार्रवाई के आरोपों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि ईडी, के सिर्फ तीन फीसदी मामले राजनीति से जुड़े लोगों के खिलाफ चल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार की प्राथमिकता भ्रष्टाचार को खत्म करना रहा है।' हालांकि एक सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा कि जिन राज्यों में भाजपा सत्ता में हैं, वहां भी कार्रवाई हो रही है। जो आरोप लग रहे हैं, वो सिर्फ वो लोग लगा रहे हैं, जिन्हें अपने खिलाफ जांच का डर है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'साल 2014 में हमारी सरकार बनते ही, हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी थी। भ्रष्टाचार के संदर्भ में मोदी सरकार और केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा जिस नीति पर चल रही है, उससे कई सवाल उठ रहे हैं। भाजपा ने तो बाकायदा न्यू ज्वायनिंग टोली बना रखी है, जिसका काम दूसरी पार्टी के तमाम नेताओंको तोड़कर भाजपा में लाना है। इसके लिए साम दाम दंड भेद, हर तरीका अपनाया जा रहा है। मप्र में जिस ढंग से कांग्रेस की कमलनाथ सरकार गिराई गई थी, वो सबको मालूम है। यह बात सही है कि जो लोग दूसरे लोग अपनी पार्टी छोड़कर भाजपा में आ रहे हैं, ज्यादातर वो हैं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कोई न कोई मामले दर्ज हैं या फिर ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियां उनकी जांच कर रही हैं। इन लोगो की केवल एक ही विचारधारा है कि सत्ता में रहकर ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाना। ऐसे तत्व भाजपा में भी कम नहीं हैं, भले ही वह नैतिकता की कितनी बातें करे। भाजपा हर काम में जिस तरह पैसा पानी की तरह बहाती है, उसी से पता चलता है कि उसके पास अथाह पैसा आ रहा है, कहां से आ रहा है और क्यों आ रहा है, यह समझने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जरूरत नहीं है। हर आरोपी नेता की भाजपा में एंट्री होते ही, उसके पाप धुलने लगते हैं। यह बात हमने पूर्व में 40 करोड़ रू. के एयर इंडिया घोटाले के आरोपी और अब भाजपा में शामिल प्रफुल्ल पटेल पर सीबीआई द्वारा सभी मामले खत्म करने का आवेदन देना है। अगर प्रफुल निर्दोष थे तो उन पर मामला क्यों चलता रहा? अगर दो दोषी हैं तो मुकदमे पर कोर्ट के फैसले का इंतजार क्यों नहीं किया गया? ऐसे कई लोगों की 'चारित्रिक धुलाई' अभी होनी है। मोदी सरकार भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त है, अच्छी बात है, लेकिन वो जरा अपने गिरेबान में भी झांके।

तमिलनाडु : कमल हासन की गुजारिश और मोदी

डेक्कन-डायरी

डॉ. सुधीर सक्सेना
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कमल हासन भारतीय सिने-उद्योग की आला दर्जे की शख्सियत हैं। उन्हें सिनेमा के व्याकरण की गहरी समझ है और उनमें गजब की प्रयोगधर्मिता है। वह अपने समय के प्रश्नों से जूझते हैं और इसह क्रम में उन्होंने सियासत में शिरकत का फैसला किया। उन्होंने आज से लगभग छह वर्ष पूर्व 21 फरवरी, सन् 2018 को नये राजनीतिक दल की स्थापना की। उन्होंने इसका नामकरण किया मक्काल निधि माइम यानि एमएनएम। झंडे पर दक्षिण भारत के पांच और एक केंद्रशासित (पांडिचेरी) राज्य के प्रतीक स्वरूप छह परस्पर गुंथे हुए हाथ। चुनाव चिह्न बैटरी। अवधारणा के तहत सामाजिक न्याय पर जोर।

एमएनएम की स्थापना की वेला में कमल हासन ने दक्षिण के छहों राज्यों में टॉर्च की रोशनी का सपना देखा था, लेकिन यह उनका दिवास्वप्न साबित हुआ। छह सालों में छह तो दूर, एमएनएम गृह प्रदेश तमिलनाडु मे भी पांव नहीं टिका सकी। कमल हासन के नेतृत्व में पार्टी सन् 2019 के लोकसभा चुनाव में जोशोखरोश से मैदान में उतरी। लेकिन उनके प्रत्याशियों ने जमानत गंवायी। उसे कुल जमा करीब 4.20 करोड़ मतों में से 1613708 यानि 3.72 फीसद वोट मिले। कोयंबटूर में आर. महेन्द्रन को सर्वाधिक 1.45 लाख और इबेंझर को न्यूनतम 8590 मत मिले। यह तथ्य सामने आया कि चेन्नै, कोयंबटूर और मदुरै के शहरी क्षेत्रों में पार्टी का किंचित प्रभाव है। वहां उसे 8.5 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत वोट मिले। लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी का प्रदर्शन दयनीय रहा। वहीं कमल हासन का कोई जादू नहीं चला। सन् 2021 के विधानसभा चुनाव में एमएनएम सियासत की पटरी पर एक बार फिर रपटी। उसने 142 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और सर्वत्र शिकस्त खाई। स्वयं कमल हासन ने कोयंबटूर दक्षिण से चुनाव लड़ा।

जीत की उम्मीद तब सदमे में बदल गयी, जब रोचक-रोमांचक मुकाबले में बीजेपी के वी. श्रीनिवासन ने उन्हें 1728 मतों के अल्पांतर से मात दे दी। कमल हासन ने पार्टी की स्थापना-वेला में संकल्प लिया था कि वह किसी दल से गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन इस दोहरी पराजय से सबक लेकर उन्होंने परवर्ती उपचुनाव में कांग्रेस-प्रत्याशी ईवीकेएस एलंगोवन का खुला समर्थन किया। 'एकला चलो' की लीक छोड़ने के उपरांत आज की तारीख में वह द्रमुकनीत गठबंधन के साथ हैं।

कमल हासन द्रमुकनीत गठबंधन जिसमें कांग्रेस और वामदलों के अलावा वीसीके, एमडीएमके और आईयूएमएल जैसे छोटे दल शामिल हैं, की सफलता के लिए पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। भाजपा की लानत-मलामत का वह कोई मौका नहीं छोड़ते। उसे वह सामाजिक न्याय के सर्वथा खिलाफ मानते हैं। कमल हासन ऐसे नेता हैं, जिसे जातिवाद से चिढ़ है। वह मानते हैं कि बीजेपी की लोकतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों में कोई आस्था नहीं

है। उन्होंने तमिलनाडु की जनता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी को 'एक और मौका' नहीं देने की खुली अपील की है। उन्हें यकीन है कि तमिलनाडु में बीजेपी का खाता नहीं खुलेगा, द्रमुक-गठबंधन ओर-छोर जीतेगा और केन्द्र में गैर-बीजेपी सरकार बनेगी।

इसमें शक नहीं कि सन् 2019 में लोस चुनावों की सफलता को दोहराने के लिए द्रमुक-गठबंधन के नेता और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री मुथुवेल करुणानिधि स्तालिन जी-तोड़ कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सीटों के तालमेल में भी गजब की सूझबूझ का परिचय दिया है। उनके पुत्र और मंत्री उदयनिधि भी उनके कंधे से कंधा मिलाकर पार्टी की सफलता के लिए सक्रिय हैं। द्रमुक ने समझौते के तहत पुदुच्चेरि की इकलौती संसदीय सीट सहयोगी दल कांग्रेस के लिए छोड़ दी है। वहां से कांग्रेस के मौजूदा सांसद वी. वैथिलिंगम फिर से भाग्य आजमा रहे हैं। उदयनिधि ने विल्लानूर में उनके लिए शानदार रोड शो किया और पुदुच्चेरि के मतदाताओं से वैथिलिंगम को पुनः विजयी बनाने की अपील की। प्रसंगवश उल्लेखनीय है कि द्रमुक-गठबंधन ने अपने घोषणापत्र में, पुदुच्चेरि को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की है।

दिल्ली और चेन्नै के रिश्तों की बात करें तो दोनों के रिश्तों में बेतरह खटास है। दिल्ली-तख्त को स्तालिन सरकार फूटी आंखों नहीं सुहाती और चेन्नै को उससे ढेरों गिले-शिकवे हैं। दोनों पक्षों के मध्य वाक्युद्ध निरंतर जारी है। एट्टायापुरम की रैली हो अथवा अन्यत्र सभा-सम्मेलन, स्तालिन हर कहीं मोदी को आड़े हाथों लेते हैं। वह मोदी को खतरनाक, अधिनायकवादी और तमिल-हितों का विरोधी निरूपित करते हैं। वह मोदी के फोन का हवाला देते हुये बताते हैं कि पीएम ने बाढ़ राहत के लिए मदद का आश्वासन दिया, किंतु एक धेला तक नहीं दिया। तमिलनाडु को बाढ़ राहत में केन्द्र से 37 हजार करोड़ रुपये लेने हैं। वक्त गुजर रहा है। रिलीफ फंड के इंतजार की घड़ियां लंबी होती जा रही हैं। इन बातों से तमिलनाडु के प्रति केन्द्र के सौतेले रवैये की बातों को बल मिलता है। गौरतलब है कि वित्तीय मामलों को लेकर तमिलनाडु के साथ-साथ कर्नाटक और केरल की अर्जियां भी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं।

अकेले तमिलनाडु में प्रायः दोनों द्रविड़ पार्टियां मुकाबले में रहती आयी हैं। राज्य में चुनाव उत्तेजना और सनसनी के लिए भी जाने जाते हैं। अगर वोटबैंक की बात करें तो द्रमुक गठबंधन को सन् 2019 में करीब 53 फीसद वोट मिले थे जिसमें अकेले द्रमुक का हिस्सा 33.5 प्रतिशत था। कांग्रेस का मत प्रतिशत 12.5 था, जबकि अन्नाद्रमुक और सहयोगी दलों को 19.4 फीसद वोट ही मिले थे। बीजेपी को प्रदेश में कुल जमा 15.5 लाख यानि 1.6 प्रतिशत वोट ही मिले थे। ऐसी विषम पृष्ठभूमि में बीजेपी इस दफा प्रदेश में खाता खोलने का मंसूबा बांध रही है। स्वयं प्रधानमंत्री मोदी तमिलनाडु आने का कोई मौका नहीं छोड़ते। पार्टी के तुर्शजुबां प्रांतीय अध्यक्ष के. अन्नामलै अपने घर करूर से दूर कोयंबटूर से चुनाव लड़ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा के सदस्य एल. मुरुगन नीलगिरि से, पूर्व मंत्री पी. राधाकृष्णन कन्याकुमारी से और पुदुच्चेरि-तेलंगाना के राज्यपाल पद से इस्तीफा देकर राजनीति में सद्य-प्रवेशी सुश्री तमिलीसाई सौंदरराजन चेन्नै दक्षिण से चुनाव लड़ रहे हैं। गत चुनाव में द्रमुक सिर्फ थेनी में परास्त हुई थी। यहां अद्रमुक के रवींद्रनाथ कुमार जीते थे। यहां से टीटीवी दिनकरण भाग्य आजमा रहे हैं। द्रमुक ने थेनी का किला फतह करने में कोई कसर नहीं उठा रखी है। किसी भी कीमत पर खाता खोलने की नीयत से बीजेपी ने पीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) और एएमएमके का सहारा लिया है। अन्नाद्रमुक से निष्क्रमित पन्नीरसेल्वम भी उसकी टोली में हैं। वह रामनाथपुरम से चुनाव मैदान में हैं। दिलचस्प तौर पर फिल्म निर्माता सेंथमीलन सीमान ने अपनी पार्टी नाम तमिलर पार्टी के बैनर तले सभी 40 सीटों पर उम्मीदवार खड़े किये हैं, जिनमें आधी महिलाएं हैं। अपना चुनाव चिह्न गंवा चुकी एमडीएमके सिर्फ एक सीट पर चुनाव लड़ रही है।

परिदृश्य पर गौर करें तो द्रमुकनीत गठबंधन के हौसले बुलंद हैं और उसकी बढ़त साफ नजर आती है। स्तालिन नेता प्रतिपक्ष रहे पलनीसामी के कथन का हवाला देकर कहते हैं कि तमिलनाडु में मुकाबला द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच है। वह कहते हैं कि बीजेपी मुकाबले से बाहर है, लेकिन बीजेपी के दावे को हवा में नहीं उड़ाया जा सकता। बीजेपी ने तमिलनाडु में कड़ी मेहनत की है। उसने प्रभावशाली चेहरे चुने हैं। उसके पास काडर है और खजाना (घर) भी। 9 अप्रैल को चेन्नै में मोदी के भव्य और आकर्षक रोड-शो ने राजनीतिक पंडितों को नये सिरे से कयास लगाने को बाध्य किया है। जहां तक मोदी के बारे में भाजपा- विरोध की तमिल नेताओं के विचारों का प्रश्न है, कमल हासन स्तालिन के बगलगीर हैं। वह मोदी की कड़ी आलोचना करते हुये कहते हैं कि यदि बीजेपी पुनः सत्ता में आयी तो देश लोकतांत्रिक व्यवस्था और मूल्यों से वंचित हो जायेगा। कमल हासन की एमएनएम ने इस बार एक भी प्रत्याशी खड़ा नहीं किया है। वह द्रमुकनीत गठबंधन के साथ है। बदले में स्तालिन ने उन्हें एक सीट का आश्वासन दिया है। मान कर चलिये कि सिनेप्रेमी कमल (हासन) को शीघ्र राज्यसभा में देखेंगे।

झारखंड में किसके पक्ष में हवा

चुनाव 2024

चेतनादित्य आलोक
लेखक पत्रकार हैं।

लोकसभा चुनाव 2024 के महासंग्राम का शंखनाद हो चुका है। दिनोंदिन देश भर में चुनावी सरगर्मियां तेज... और तेज होती जा रही हैं, लेकिनझारखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल में होने के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा सहित तमाम आइएनडीआइए दलों का चुनाव प्रचार फीका प्रतीत हो रहा है, जबकि यही घटना राज्य में भारतीय जनता पार्टी के आश्वस्त रहने का कारण साबित हो रही है। वैसे तो आरंभ से ही झारखंड भाजपा का गढ़ रहा है, लेकिन सहयोगी दलों और निर्दलीयों के बिनाकोई भी दल अब तक यहां सरकार नहीं बना पाई है। बाहरी-भीतरी की राजनीतिक लड़ाई के लिए जिम्मेदार झामुमो स्थानीयता के नाम पर आदिवासियों की राजनीति करती आई है, जबकि भाजपा तथाकथित बाहरी लोगों, जिसे झामुमो नेता 'दिकू' कहते रहे हैं, के साथ खड़ी दिखाई देती रही है, लेकिन पीएम मोदी ने पिछले दस वर्षों में आदिवासियों के साथ विशेष रूप से प्रतिबद्धता दिखाते हुए आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने की पहल की तथा देश भर के आदिवासियों के कल्याण के लिए कई योजनाएं बनाईं और लागू कराया। इनमें 'प्रधानमंत्री वन धन योजना' (पीएमवीडीवाई) या 'वन धन विकास योजना' (वीडीवीवाई) एक प्रमुख योजना है, जिसके जरिए मोदी सरकार आदिवासी समुदाय के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त करने में लगी हुई है।

वन धन विकास योजना के अंतर्गत आदिवासी समुदायों को क्लस्टर बनाने और उनके मूल्य को बढ़ाने हेतु वनोपजों के प्रसंस्करण करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इन समूहों को आवश्यक बुनियादी ढांचे यथा- उपकरण, मूल्य संवर्द्धन और उद्यमिता में प्रशिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त इन्हें इनके उत्पादों की बिक्री के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सहित विभिन्न चैनलों के माध्यम से बाजार भी उपलब्ध कराया जाता है।बता दें कि आदिवासी समुदायों के लिए वन धन विकास योजना 'वरदान'साबित हुई हैं।शिक्षा की बात करें तो आजराज्य में 500 से अधिक एकलव्य मॉडल स्कूल हैं,जबकि 2014 से पहले इन स्कूलों की संख्या मात्र 90 थी।आज से लगभग तीन वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने 'धरती आबा' के रूप में विख्यात् झारखंड के आदिवासी महानायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस'घोषित किया था। पिछले वर्ष 15 नवंबर यानी तीसरे 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर उन्होंने झारखंड के खूंटी स्थित भगवान बिरसा मुंडा की पावन जन्मस्थली 'उलिहातु' से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।इस दौरान प्रधानमंत्री ने देश भर के लगभग 28 लाख 'विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों' (पीवीटीजी)के समग्र विकास के लिए 24,000 करोड़ रुपये के 'प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा-अभियान' (पीएम जनमन) की शुरुआत भी की थी।

बता दें कि झारखंड समेत देश के 18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 75 पीवीटीजी निवास करते हैं, जिनकी कुल जनसंख्या लगभग 28 लाख है। ये जनजातियां दूरस्थ एवं दुर्गम वन क्षेत्रों में बिखरी बस्तियों में रहती हैं। इनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार हेतु केंद्र सरकार इन समूहों तकसड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी, बिजली, सुरक्षित आवास, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तथा स्थायी आजीविका जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाएगी। गौरतलब है कि तत्परता दिखाते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल नेप्रधानमंत्री की अध्यक्षता में पिछले वर्ष 29 नवंबर कोही इस योजना कोमंजूरी दे दी थी। 15 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने इस योजना के अंतर्गत 540 करोड़ रुपए की पहली किस्त भी जारी कर दी। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिएउन्होंने गोड्डा के बोआरीजोर प्रखंड की बाबूपुर पंचायत के लाभुक आदिवासी परिवारों के साथ ऑनलाइन बातचीत की।कड़ाके की ठंड के बावजूद प्रधानमंत्री को सुनने के लिए भारी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त शौचालय, उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शन, हर घर नल से जल आदि योजनाओं के लिए केंद्र सरकार सीधे पंचायतों तक राशि उपलब्ध करा रही है। इन तमाम योजनाओं का आदिवासी परिवारों के बीच जबर्दस्त प्रभाव देखा जा रहा है, जिसका अनुमान भाजपा नेताओं को भी है।

गौरतलब है कि भाजपा ने झारखंड में अपनी स्थिति के आकलन के लिए पिछले वर्षएक आंतरिक सर्वेक्षण कराया था, जिसके अनुसार मौजूदा स्थिति में भाजपा अपनी 12 सीटें तो बचाने में सफल होगी, किंतु खूंटी तथा राजमहल सीटों पर उसकी स्थिति कमजोर है। बता दें कि पिछली बार भी खूंटी संसदीय क्षेत्र से केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा बेहद कम मार्जिन से चुनाव जीते थे। शायद स्थितियों को भांपकर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले वर्ष नवंबर में झारखंड आए और भगवान बिरसा मुंडा को नमन करने खूंटी स्थित उनके पैतृक गांव उलिहातु गए थे। इसके अतिरिक्त भाजपा को जिन दो लोकसभा सीटों पर पिछले लोकसभा चुनाव में पराजित होना पड़ा था, वहां पार्टी ने इस बार अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। राजमहल सीट पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के विजय हांसदा और सिंहभूम सीट से कांग्रेस की गीता कोड़ा ने पिछली बार जीत दर्ज की थी। बता दें कि इस बार राजमहल सीट पर झामुमो के विजय हांसदा के विरूद्ध भाजपा की ओर से ताला मरांडी को और सिंहभूम सीट से कांग्रेस की जोबा मांझी के विरूद्ध पार्टी ने गीता कोड़ा को मैदान में उतारा है। राजनीतिक समीकरणों की बात करें तो दुमका अभी हॉट सीट बनी हुई है, क्योंकि यहां से झामुमो अध्यक्ष शिबू सोरेन की बड़ी बहू और हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन को भाजपा ने टिकट दिया है। सूत्र बताते हैं कि दुमका सीट से अपनी भाभी के विरूद्ध स्वयं हेमंत चुनाव लड़ना चाहते थे, किंतु अंतिम दौर में पार्टी ने यहां से नलिन सोरेन को प्रत्याशी बना दिया। भाजपा को यहां से सीता सोरेन के विजयी होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में जिन क्षेत्रों में पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा था, उन क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से पार्टी की ओर से इस बार संकल्प यात्रा के जरिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कड़ी मेहनत की है। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सिंहभूम सीट को ध्यान में रखते हुएहाल ही में जमशेदपुर का दौरा किया था। भाजपा के आंतरिक सर्वेक्षणकी बात करें तो पिछली बार की तरहइस बार भी राज्य मेंभाजपा के पक्ष में हवाहै। सर्वेक्षण के मुताबिक विपक्षी पार्टियों द्वारा गठबंधन बना कर चुनाव लड़ने के कारण पार्टीकी राह इस बार भी आसान हो सकती है और वह सभी 14 लोकसभा सीटें जीतने में सफल हो सकती है। इसके अलावाअयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के निर्माण एवं हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ से कांग्रेस राज की समाप्ति तथा राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में बीजेपी की वापसी से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है, वहीं आम लोगों में भी यह धारणा मजबूत हुई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनावों में हराना विपक्ष के बूते की बात नहीं है। दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के सबसे बड़े हथियार जातीय सर्वेक्षण, आरक्षण और 1932 के खतियान के आधार पर बनाई गई स्थानीयता नीति का राज्य में कोई विशेष प्रभाव नहीं दिखाई दे रहा है।

चर्चा दूसरी और तीसरी पंक्ति के नेताओं की

स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत दशकों तक परिवार विशेष से संबद्ध राजनेताओं ने एकछत्र देश का नेतृत्व किया। तत्कालीन नेतृत्व ने अपने दल की आंतरिक व्यवस्था कुछ इस प्रकार बनाई थी कि सत्ता के साथ संगठन पर भी उनका वर्चस्व रहे। कहा तो यहां तक जाता है कि नंबर दो पर पहुंचते-पहुंचते अन्य नेताओं के पर कतर दिए जाते थे। एक प्रकार से लोकतंत्र तो था, लेकिन उस लोकतंत्र में सच्चा लोकतंत्र कम ही दिखाई देता था। हालांकि परिवार विशेष के राजनीतिक महत्व को जनमत का बहुमत स्वीकार करता रहा था। लेकिन ऐसा उसके

राजनीति

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

सामने विकल्प के अभाव के चलते ही संभव हुआ करता था।

इन सब बातों के मद्देनजर दूसरी और तीसरी पंक्ति के राजनेताओं को समय रहते वरीयता नहीं मिली। या कि उन्हें वरीयता ही नहीं दी गई। एक प्रकार से दूसरी और तीसरी पंक्ति के राजनेता अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर प्रथम पंक्ति पर ही आश्रित रहे। परिवार विशेष के प्रति निष्ठा और समर्पण को ही राजनीतिक काबिलियत का पैमाना मान लिया गया था। जो परिवार विशेष के कृपा पात्र होते, राजनीतिक दृष्टि से उपकृत कर दिए जाते। यह सिलसिला लंबे समय तक चलता रहा, इस बीच शिक्षा एवं संचार क्रांति के दौर में आम नागरिकों की राजनीतिक चेतना सुप्त अवस्था से उठकर जागृत होती गई। इसके चलते अलग-अलग दौर में सत्ता परिवर्तन भी हुआ।

इन तमाम सन्दर्भों में विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के 10 वर्षीय कार्यकाल के दौरान आत्मसात की गई कार्यशैली का उल्लेख करें, तो उन्होंने दूसरी और तीसरी पंक्ति के राजनेताओं को प्रथम पंक्ति में आने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। उनके नेतृत्व में प्रथम पंक्ति का भावी नेतृत्व राजनीतिक प्रशिक्षण पा रहा है। स्थिति यह है कि भाजपा की तर्ज पर वर्तमान दौर में कांग्रेस भी दूसरी ओर तीसरी पंक्ति को आगे बढ़ाने लगी है। लेकिन ऐसा करना उसके लिए मजबूरी बन गया था। जब अधिकांश स्थापित नेताओं ने इस आम चुनाव में लड़ने के प्रति अपनी असमर्थता जाहिर की, तो मजबूरन कांग्रेस को दूसरी-तीसरी पंक्ति से प्रत्याशी तलाशना पड़ा।

दरअसल भाजपा ने दूसरी और तीसरी पंक्ति को प्रथम पंक्ति में लाने की दिशा में अपने अत्यंत अनुकूल समय में कदम उठाया है। लेकिन कांग्रेस की स्थिति इसके उलट है। कांग्रेस के समक्ष जीत सकने वाले प्रत्याशियों का अभाव रहा, जिसके चलते दूसरी-तीसरी तो क्या, चौथी पंक्ति से भी कार्यकर्ता को उपकृत करना पड़ा। आज देश के अधिकांश नागरिकों को कांग्रेस में कांग्रेस का भविष्य दिखाई नहीं दे रहा है। निश्चित ही जब लोकतंत्र में सत्ता और संगठन पर परिवार विशेष का ही वर्चस्व रहे, तो वंश परंपरा में कमजोर पीढ़ी आने पर राजनीतिक अस्तित्व ही दांव पर लग जाता है।

इस आम चुनाव के दौरान कांग्रेस के अधिकांश कद्दावर राजनेता चुनाव लड़ने के प्रति अपनी अनिच्छा का इजहार सार्वजनिक रूप से कर चुके थे। इसके चलते ढूंढ-ढूंढ कर दूसरी और तीसरी पंक्ति में से से कांग्रेस द्वारा प्रत्याशी को तैयार करना पड़ा। आज के राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के विकल्प के तौर पर जनता जनार्दन के मानस पटल पर अनेक चेहरे अंकित हो जाते हैं। लेकिन कांग्रेस में कहीं से कहीं तक दूसरी या तीसरी पंक्ति ऐसी नजर नहीं आती जो कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास की पुनरावृति कर सकते में सक्षम सिद्ध हो सके।।

जहां तक परिवार विशेष का सवाल है, तो वंश परंपरा वर्तमान अनुक्रम में अपने पूर्वजों की भांति राजनीतिक कला कौशल कहीं से कहीं तक दिखाई नहीं देता। आज कट्टर से कट्टर कांग्रेसी विचारधारा के पक्षधर भी स्पष्ट रूप से कांग्रेस के नकारात्मक भविष्य का आकलन कर रहे हैं। यही कारण है कि इस समय आम चुनाव के दौर में कांग्रेस में भाजपा के खेमे में शामिल होने की होड़ मची हुई दिखाई दे रही हैं। जब कांग्रेस के स्थापित नेताओं को ही कांग्रेस का अच्छा भविष्य नजर नहीं आ रहा, तो अब तो आम नागरिक राजनीति दृष्टि से काफी हद तक परिपक्व हो चले है।

बेहतर हो यदि परिवार विशेष के आभामंडल से आलोकित रही कांग्रेस अब केवल और केवल विचारधारा के आधार पर ही राजनीति करें। वैसे भी परिवार विशेष के प्रति निर्भरता के चलते निकट भविष्य में उसके अच्छे भविष्य की संभावनाएं दूर-दूर तक नजर नहीं आती। चुनाव-दर-चुनाव उसके प्रतिबद्ध मतदाताऑ की संख्या में गिरावट के मद्देनजर कांग्रेस का सचेत हो जाना समय की मांग है। इस संदर्भ में देश के लोकतंत्र के लिए यह अच्छा संकेत है कि भाजपा के रूप में जनता को सशक्त विकल्प मिल गया है। अब कांग्रेस भाजपा का विकल्प बनने का प्रयास करें, तो लोकतंत्र और मजबूत हो सके।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सबहि भूमि गोपाल की

व्यंग्य

पूरन सरमा
लेखक व्यंग्यकार हैं।

अवैध निर्माण तथा अतिक्रमण की परम्परा हमारे यहां अनादिकाल से चली आ रही है। आज जो किले, महल तथा बड़े-बड़े पुरातत्व स्थल हम देखते हैं, वे सब इसी श्रेणी में आते हैं। राजा की जितनी इच्छा हुई उतनी ही जमीन पर निर्माण कर दिया तथा बेगार रूप में श्रमिकों का शोषण कर लिया। उसी परम्परा का निर्वहन हमारे देश में इन दिनों बखूबी किया जा रहा है। 'सबहि भूमि गोपाल की' की तर्ज पर भारतीय नागरिक भूमि हड़पो अभियान के कुशल खिलाड़ी बन कर निर्माण एवं अतिक्रमण की दिशा में सक्रिय हैं। 'राम नाम की लूट है' वाला मुहावरा भी इस समय पूरी तरह चरितार्थ हो रहा हैं या यह भी कह सकते हैं कि 'सैंया भये कोतवाल तो अब डर काहे का।' सभी के बालम पुलिस में भर्ती होंगे तो कानून दम नहीं तोड़ेगा तो क्या अपना डण्डा चलायेगा। कानून का डण्डा छोटा होता जा रहा है तथा अराजकता का एक सुखद मनभावन वातावरण नये रूप में तैयार हो रहा है, जिससे गोपाल की इस भूमि को महापुरूष हड़प कर रहे हैं। इस मामले में हर नागरिक वसुधैव कुटुम्कम विचारधारा का समर्थक हो गया है।

भूमि हड़पने का अभियान आम चुनाव के समय बेतहाशा पाया जाता है। पहले लोकसभा चुनाव की आड़ में लोग रातों-रात महल चिनाते रहे तो अब प्रजातंत्र में विधान सभा चुनाव का शोर होने से सारे नियम तोड़ कर लोग जमीनों को पाटने में लगे हैं। रात को सोये थे, तब खाली जगह थी, सुबह उठे तो दीवालें सिर उठाये खड़ी हैं। कोई दुकान बना रहा है तो कोई मंजिल चढ़ा रहा है। कोई मकान से दूकान निकाल रहा है तो कोई आवास समस्या के स्थाई हल के लिए नगर प्रशासन के नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ा रहा हैं। सरकार मूक बनी सब देखती रहती है। क्योंकि उसे अभी जनता का वोट लेना है और वोट के सामने सात खून भी माफकरने का हमारे यहां रिवाज चल रहा है। कोई छज्जा निकाल रहा है तो कोई खिड़की खोद रहा है। कोई मंदिर बना रहा है तो कोई मस्जिद। कोई यों ही पत्थर लाल पोतकर धार्मिक भावना के आधार पर भूमि हड़पो की दिशा में पहल करने की चाल चल रहा है। रातों-रात हजारों की संख्या में मकान बन गये हैं। यह नगर भले अपनी रंगत व खासियत खोदे, लेकिन जमीन हड़पों के संचालक पूरे मनोयोग से कंकरीट का जंगल उगाने में लगे हैं। आदमी की महत्त्वाकांक्षायें इन दिनों पूरे जोर पर है। जिसके एक मकान है, वह दूसरा बना रहा है, जिसके दूसरा है वह तीसरा बना रहा है। मकान क्या मकबरे बना रहा है।

असीम इच्छायें सिर उठाकर अवैध निर्माण तथा अतिक्रमण को प्रेरित करती हैं और नागरिक चुनाव की आड़ में अपनी कारगुजारियां कर रहे हैं। देखा-देखी ज्यादा हो रही है। पड़ोस में किसी ने एक फुट का अतिक्रमण किया तो दूसरे ने चार फुट को घेर लिया।

अवैध निर्माण जिसने पचास वर्ग गज में किया। उससे जुड़ने की यह परम्परा दिनों-दिन विकसित हो रही है जब तक आदमी को अपनी माटी से प्रेम नहीं होगा, तब तक राष्ट्रीय भावना का अभ्युदय असंभव भी है। इस मामले में सारे भूमि हड़पो कार्यकर्ता एक हैं। अभी एक अवैध निर्माण को गिराइये पूरी कॉलोनी उस पर टूट पड़ेगी। पिछले दिनों नगर प्रशासन ने तनिक इस मामले में सजगता दिखाई तो कर्मचारी पिट कर लौटे। कर्मचारियों के पिटने का मौसम है तो जनता के पीटने का।

ऐसे हालात से निपटने का सबसे सरल तरीका यही है कि आम चुनावों की घोषणा अविलंब हो तथा चुनाव जल्दी सम्पन्न हों। अन्यथा खाली जमीन मकानों के जंगल से पट जायेगी तथा शहर की आवास समस्या बिना आवासन मण्डल के सहयोग के ही हल हो जायेगी। फिर बताइये हाऊसिंग सोसाइटियां तथा नगर नियोजन एवं आवासन मण्डल और विकास प्राधिकरण विभाग क्या मक्खी मारेंगे? कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ेगी तथा उनके बच्चे भूखों मरेंगे। परन्तु दिक्कत यह है कि वोटर भगवान से भी बड़ा होता है। उसके आततायी करतब भी राजनेता शिष्टता रूप में स्वीकार करके चुनाव से पहले तक उसे सिर-आंखों पर बिठाये रखता है।

अंबेडकर का अपना सुख

विचार

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब में चेयर प्रोफेसर हैं।

जीवन बहुत मूल्यवान है। जो जीवन के अर्थ को वास्तविक रूप से समझ पाता है वह अपने जीवन में कई जीवन जीने लगता है और जो नहीं समझ पाता वह केवल जीवन भर अपने लिए जीता है। भारत में सनातन धर्म हमें त्याग, परोपकार, प्रेम की शिक्षा देता है। अपने साथ पर की चिंता करने का उद्दात्त स्वरूप हमारे उपनिषदों में वर्णित है। यह गुण व्यक्ति को समष्टि का बनाता है और समष्टि में अपने सुख की खोज करवाता है। एक लंबी परम्परा में विद्यमान है भारत की ऐसे गुणों से विभूषित होने वाले महापुरुषों व मनश्विनियो की। डॉ. अंबेडकर जिनका जन्म 14 अप्रैल, 1891 को हुआ था, इसी परंपरा के प्रमुख हस्ताक्षर हैं।

सामान्य परिवार में सामान्य जीवन से स्वयं का विशिष्ट जीवन बनाने वाले डॉ. भीमराव अंबेडकर बाल्यकाल से कुशाग्र थे लेकिन उनके जीवन में संघर्ष व स्वबोध से लेकर परबोध की कथा उन्हें महान बनाती है। तत्कालीन समाज में व्याप्त जीवन की दुरूहतायें उन्हें बेचैन जब करने लगीं तो उन्होंने सच्चे मायने में अपने जीवन में दूसरों को तलाशना शुरू किया। दूसरे की पीड़ा को समझना शुरू किया। बाल्यकाल में समाज में व्याप्त बुराइयों की दबाव से निकले डॉ. अंबेडकर ने बुराइयों से मुक्ति के बारे में विचार किया। इन बुराइयों से मुक्ति के मार्ग की खोज ने डॉ. अंबेडकर को बोधिसत्व बनाया। उन्हें चिरस्मरणीय बनाया। उन्हें जन-जन के मन में स्थापित किया। उन्हें लोकमानस में स्थापित किया।

डॉ. अंबेडकर के त्याग व समर्पण से कई बार यह प्रश्न मन में कुतूहल बश मस्तिष्क में आते हैं कि जो व्यक्ति जीवन के हर पड़ाव पर जीवन से संघर्ष किया, उसका अपना सुख क्या है? क्या उसकी यह व्यष्टि से समष्टि की यात्रा ही उसके सुख की सच्ची परिभाषा है? निःसंदेह डॉ. अंबेडकर को आज समझना आवश्यक है। उन्हें जानना आवश्यक है, इस मामले में भी कि आखिर वे जीवन भर क्या पाना चाह रहे थे जिसके लिए वह संघर्षशील रहे? वह विलाशिता की भूख को अपने जीवन का हिस्सा क्यों नहीं बनाना चाहते थे? वह जन से जुड़ने के लिए इतनी छटपटाहट क्यों मन में लेकर घूम रहे थे।

शुरूआती दिनों में उनके द्वारा लिए गए इनिशिएटिव और जन को जोड़ने के लिए किए गए प्रयत्न उनके करीब हमें लाते हैं, जो मनुष्य के जीवन के सौंदर्य और सुख में विश्वास करते हैं। खासकर ऐसे मनुष्य समाज जिनका कोई रहबर नहीं होता। ऐसा मनुष्य समाज जो किसी प्रताड़ना को सहकर भी जीने के लिए जद्दोजहद कर रहा हो। डॉ. अंबेडकर के लिए मनुष्य ही मनुष्य का शोषक बना हुआ है, घृणा कर रहा है, अछूत समझ रहा है, यह असह्य था। उन्होंने इसके बरक्स एक ऐसी समाज संरचना की उम्मीद की जो सबके भीतर न केवल समानता के लिए आग्रह करती हो, अपितु उसे अपने आचरण का व समाज का हिस्सा भी बनाए। तत्कालीन परिस्थितियों में सामाजिक विद्रूपता की सबसे अभिशप्त मानसिकता उन्हें छुआछूत लगी। उन्होंने उसका पुरजोर विरोध किया। बाबासाहेब डॉ. अंबेडकर ने दूसरी सबसे बड़ी उम्मीद की इस समाज से कि वे पढ़ें। जिन्हें छुआछूत व अस्पृश्यता के कारण पढ़ने नहीं दिया जा रहा है, उन्हें भी पढने का अवसर मिले। वे अपने जीवन में सबसे आग्रह करते हुए मिलते हैं कि सब पढ़ें। सबकी पढाई में अपने सुख की अनुभूति करने वाले डॉ. अंबेडकर से यह सीखने योग्य बात है कि वे सबको प्रभाषित होने में अपने प्रभाषित होने की कल्पना करते थे।

डॉ. अंबेडकर का अपना सुख यह भी था कि देश में समरस समाज की स्थापना हो। सभी के उन्नति व न्याय का पैमाना एक ही होना चाहिए। जिस लगन व निष्ठा से उन्होंने संविधात्री सभा का अध्यक्ष रहते हुए कार्य किया,

वह उनके जीवन के सुख की वास्तविक तलाश थी। स्त्रियों की उन्नति में उन्होंने अपने सुख को देखा। वह यदि अस्पृश्य समाज के लिए भारत से लेकर लन्दन तक और महार सत्याग्रह से लेकर कालाराम मंदिर प्रवेश तक अगुआ बनकर देश के अति दमित वर्ग को भी वही शान दिलाना चाहते थे तो इसके पीछे उनके अंतस के सुख की कल्पना करें, यही सुख उनका था, कुछ और नहीं। इन सबके बावजूद डॉ. अंबेडकर को जब उनके ही समाज के लोगों ने अपना सहयोग नहीं किया तो केवल वह दुखी मन से एक होने का आग्रह करते रहे, उन्होंने किसी को कोई हानि नहीं पहुंचाई।

भारत का यह सौभाग्य रहा है कि उसे डॉ. अंबेडकर जैसा व्यक्तित्व मिला जिन्होंने अपने निजी सुख को त्यागकर दूसरों के सुख में अपने सुख को खोजा। ऐसा नहीं है कि तत्कालीन परिस्थितियों में लोग अपने लिए केवल जीने के आदी नहीं थे, उन दिनों भी स्वार्थी तत्व विद्यमान थे। लेकिन डॉ. अंबेडकर का निःस्वार्थ समाज के सभी तबके में वंचितों की प्रतिष्ठा की सोच उन्हें सबसे अलग करती है। उन्हें ऐसे स्वाभाव के लिए निःसंदेह आज प्रतिष्ठा मिली है। भारत के अधिकांश भागों में उन्हें ईश्वर सदृश पूजा जाता है। महाराष्ट्र के अनेक हिस्से में डॉ. अंबेडकर के जन्मदिन हों या महापरिनिर्वाण दिवस सब श्रद्धाभाव से समरण करते हैं लेकिन यह यूं ही नहीं है बल्कि उनके जीवन के हर क्षण किए गए आमजन से स्नेह है,

डॉ. अंबेडकर के सांस्कृतिक पुनरुत्थान की यह गाथा है जिसे न केवल भारत में गाया गया है अपितु अब पृथ्वी के हर कोने में अब लोग आत्मसात करने के लिए और उसे समाज का हिस्सा बनाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। विश्व के अनेकों ऐसे महान लोग हैं जिन्होंने रेस व रेसिज्म के विषय में कार्य किया है। वे सभी डॉ. अंबेडकर का अपना सुख आमजन में देखते हैं। अपने हिस्से का जीवन सबके हिस्से का बनाने वाले डॉ. अंबेडकर ने केवल बड़ी-बड़ी बातें नहीं की। उन्होंने अपने बंधुओं अपने समाज के लोगों को कहा कि दलित वर्ग के बच्चों को सबसे पहले सपफाई से रहने की शिक्षा देने की आवश्यकता है। व्यवहार में शालीनता, प्रारम्भ में ही धार्मिक और नैतिक शिक्षा देने की आवश्यकता है। शराब तथा अन्य प्रकार की दुर्गंध और तेज गंध वाले भोज्य पदार्थों के खाने के कारण दलित वर्ग के बालकों के शरीर से पीढ़ियों से दुर्गंध आती रहती है। उनका शरीर भी पीढ़ियों से शुद्ध भोजन करते आ रहे तथा सफाई से रहते आए सुसंस्कृत बालकों के समान ही हैं। परन्तु उन दलितों के बच्चों को उनके समकक्ष लाने में पीढ़ियां गुजर जाएंगी। हमें दलित वर्गों को भी उस भौतिक शुद्धता के स्तर तक लाना होगा और जब तक ऐसा नहीं किया जाता उनमें निकट संपर्वफ स्थापित करना अनुचित होगा। इस साफगोई की दुनिया कायल है। दुनिया में जितने भी सामाजिक परिवर्तन करने वाले हुए हैं उनमें डॉ. अंबेडकर इसलिए सबसे अलग वैचारिक व्यवस्था के लगते हैं क्योंकि उन्होंने दूसरों को नहीं खुद के समुदाय को ज्यादा एड्रेस करने की कोशिश की। उन्होंने उनमें नैतिकता, साफ-सफाई, निष्ठा, शुद्धता के स्तर पर तराशने कि कोशिश की जो व्यक्ति के चित्त की शुद्धता की कहीं न कहीं बात है। यह चित्त की शुद्धता उनके अपने सुख की अनुभूतियों में शामिल थी। अत्त दीपो भव से लेकर बोधिसत्व के मूल्यों को धारण करने वाले डॉ. अंबेडकर का सुख वास्तव में सुनहरे अक्षरों में लिखा आधुनिक सभ्यता की नयी गाथा है जिसे पढ़ने व उसको आत्मसात करने में जीवन-पुनरुत्थान की नई दिशा तय होती है और कुछ समाज के लिए, कुछ दूसरों के लिए सच्चे मन से जीने के लिए उद्वेलित करती है।

भारत के ऐसे महा-प्रज्ञाशील डॉ. अंबेडकर के जीवन के अनेक पहलू हैं जिसे समाज का हिस्सा बनाया जाना शेष है लेकिन यदि इसे आज की पीढ़ी समझ ले तो अपने जीवन को दूसरों के लिए समर्पित कर देगी। यह सबके समर्पण की भावना जब समाज का हिस्सा बन जाएगी तो इसमें कोई दो मत नहीं है कि डॉ. अंबेडकर जहाँ भी होंगे उन्हें असीम शांति मिलेगी। प्रायः सार्वभौमिक मूल्यों की लोग बात करते हैं लेकिन डॉ. अंबेडकर के जीवन को जब हम पढ़ते हैं तो वह हमें उन सार्वभौमिक जीवन मूल्यों को जीते हुए मिलते हैं। अब परिस्थितियां बदली हैं, चुनौतियों की बारंबारता नए-नए प्रतीकों व संघर्षों में बदलती हुई मिल रही हैं। ऐसे समय में डॉ. अंबेडकर के जीवन के संघर्षों एन जिन प्रतिरोध व दिशा-परिवर्तन से सुख की खोज की है वह निःसंदेह अनुकरणीय है।

मूल्यों की दृष्टि में धर्म और लोकतांत्रिक समाज

दृष्टिकोण

कैलाश चन्द्र काण्डपाल

आज के सन्दर्भ में धर्म पर गाहे-बगाहे चर्चा हो रही है। यह चर्चा कभी-कभी अतिरेक में बदल जाती है और धर्म की सीमाओं को लांघकर धर्म का बचाव सा करती नजर आने लगती है। इस विमर्श में प्रायः धर्म की मूल भावना पर बातचीत कम और दूसरे धर्म के प्रति द्वेष एवं उसे कमतर आंकने की भावना ज्यादा दिखती है। इस पूरे प्रक्रम में धर्म पर विचार करने की जरूरत है और साथ ही भारत जैसे विविधता वाले देश के सन्दर्भ में इसको समझने की जरूरत भी है।

धर्म मनुष्य को व्यक्तिगत स्तर पर जीवन दर्शन देता है। इसकी आध्यात्मिकता में वह जीवन से आधारित मुश्किल सवालों के अर्थ तलाशने का प्रयत्न करता है। धर्म के विभिन्न स्वरूप हैं लेकिन कमोबेश सबका मुख्य लक्ष्य मनुष्य को एक अर्थपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देना है। यह प्रेरणा उसे व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर एक संतुलन बनाने में मदद भी करती है। किसी भी अन्य दर्शन की तरह धर्म के प्रति कट्टर एवं संकीर्ण मानसिकता इसके वास्तविक स्वरूप में विकृति ला सकती है। हमने इस विकृति को वैश्विक स्तर पर अलग-अलग रूप में देखा है।

स्वामी विवेकानन्द ने धर्म पर अच्छी व्याख्या की है जहां पर वह कहते हैं कि धर्म का एक आध्यात्मिक आधार होता है और यही धर्म का मूल स्वरूप होता है। धीरे-धीरे धर्म में मिथक आने लगते है और यहीं से धर्म अपना मूल स्वरूप खोने लगता है और इसकी परिणति धर्म में कर्मकाण्डों की प्राथमिकता आने से होने लगती है। अन्त में धर्म अपने वास्तविक आध्यात्मिक आधार को छोड़कर कर्मकाण्ड प्रधान हो जाता है और अपना मूल स्वरूप खो बैठता है। यह बात यहां पर इसलिये कही जा रही है कि धर्म पर की जा रही चर्चा में हम यह जान पायें कि आज के सन्दर्भ में धर्म के किस स्वरूप पर चर्चा हो रही है।

दरअसल धर्म का प्रादुर्भाव मानव के सामाजिक होने के साथ जुड़ा है। मानव को सामाजिक रूप से जोड़ने के लिये धर्म का महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिसके अन्तर्गत विभिन्न संस्थायें बनी और समाज एक वांछनीय तारतम्यता के साथ आगे बढ़ा। इस बात पर बहस हो सकती है कि सामाजिक मूल्यों को स्थापित करने के लिये धर्म ने किसी तार्किक प्रक्रिया को अपनाने के बजाय कुछ ऐसे सन्दर्भ गढ़े जिसके लिये तार्किकता सम्भव नहीं है यथा स्वर्ग-नर्क आदि। यहां पर बात इस बहस को आगे ले जाने की नहीं है बल्कि यह स्थापित करने की है कि धर्म ने किसी प्रकार एक सामाजिक व्यवस्था बनाने का प्रयास किया और उसमें आशातीत सफलता पाई। आज भी एक आम व्यक्ति को धर्म बहुत अधिक प्रभावित करता दिखता है।

आज के सन्दर्भ में वांछित सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने के लिये औपचारिक शिक्षा एक महत्वपूर्ण प्रयोजन है। औपचारिक शिक्षा की भूमिका सामाजिक व्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण रही है। औपचारिक शिक्षा प्रारम्भ में अलग स्वरूप में रही और इसकी शुरूआत में यह वर्ग विशेष पर केन्द्रित रही जो कि मूल रूप से शासक वर्ग था लेकिन कालान्तर में जब यह आमजन के लिये आयी और यहीं से सामाजिक व्यवस्था बनाये रखने में इसकी प्रबल भूमिका दिखी।

धर्म मूलतः औपचारिक शिक्षा की तरह सुसंगठित नहीं होता और इसमें धर्म के ज्ञान की सत्ता पर अधिकार रखने वाले कुछ वर्ग विशेष का आधिपत्य भी दिखता है। हालांकि इसका प्रभाव आमजन पर काफी गहरे तक जाता है। वर्ग विशेष का आधिपत्य होना इसे सार्वजनीन होने से रोकता है। हमने इतिहास से यह भी समझा है कि सत्ता ने इस वर्ग विशेष की मदद से अपनी प्रजा को साधने के लिये धर्म को एक सुलभ साधन के रूप में प्रयोग किया।

औपचारिक शिक्षा के प्रादुर्भाव से पहले सत्ता और धर्म के सांमजस्य ने सामाजिक व्यवस्था को बनाये रखने का काम किया। इस बात पर बहस की जा सकती है कि यह कितनी सही या गलत थी लेकिन अभी इस पर चर्चा करने के बजाय हमें वर्तमान सन्दर्भ में धर्म और लोकतांत्रिक समाज के द्वन्द को और गहरे में जाकर आज की सामाजिक व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में समझना सही रहेगा।

किसी देश के परिप्रेक्ष्य में औपचारिक शिक्षा का आधार भी धर्म हो सकता है लेकिन औद्योगिक क्रन्ति के बाद आई शिक्षा में लोकतांत्रिक विचारो का बोलबाला रहा है और विश्व के अधिकांश भाग यही व्यवस्था कायम रही है। यह बात भी दीगर है कि विश्व के पटल पर सामाजिक क्रान्तियों में लोकतांत्रिक मूल्यों से अलख जगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था के दर्शन के निहितार्थ एक समतामूलक एवं न्यायपरक समाज का संकल्प होता है जो कि किसी भी स्वस्थ समाज के लिये एक वांछनीय व्यवस्था माना जा सकता है।

भारतीय समाज के सन्दर्भ में औपचारिक शिक्षा के लोकतांत्रिक स्वरूप में तार्किकता का समावेश प्रबल रूप से आता है। यह तार्किकता गाहे-बगाहे धर्म के साथ तारतम्य में नहीं दिखती है जिसके अपने वास्तविक कारण हैं।

धर्म और लोकतंत्र की बुनियाद अलग है। धर्म का आध्यात्मिक आधार है जबकि लोकतंत्र में लोक की प्राथमिकता है जो कि तर्क पर आधारित है। हम धर्म को भी सामाजिक व्यवस्था के लिये तर्क के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं लेकिन भारत जैसे देश की विविधिता के मद्देनजर यह न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता है। यहां पर यह बात स्पष्ट करना ठीक रहेगा कि लोकतंत्र और धर्म को पायदानों में उपर नीचे देखना भी ठीक नहीं रहेगा। दोनों का उद्देश्य वांछित समाज दिखता है लेकिन इनके आधार अलग-अलग हैं। लोकतंत्र में धर्म का स्थान बना रह सकता है जिसकी चर्चा आगे की जायेगी।

अब तक की गई बात से यह समझ बनती है कि धर्म और औपचारिक लोकतांत्रिक शिक्षा सामाजिक व्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण हैं लेकिन इनके आधार अलग-अलग हैं जो कि विभिन्न प्रकार की सामाजिक व्यवस्था के लिये अलग-अलग तरीके से उपयोगी हो सकते है। भारत जैसे विविधता वाले देश में यह बात स्पष्ट है कि लोकतांत्रिक शिक्षा ही प्राथमिक रूप से उपयोगी है इसलिये हमारी स्कूली शिक्षा व्यवस्था में लोकतात्रिक मूल्यों को बोलबाला है जो कि हमारे संविधान से प्रेरित है।

अब मूल प्रश्न पर आते हैं कि एक विविधता वाला समाज जहां पर लोकतांत्रिक औपचारिक शिक्षा व्यवस्था स्थापित है और जिसका मूल आधार संविधान में उद्धृत धर्म निरपेक्षता पर केन्द्रित है वहां पर धर्म की बहस को कैसे देखा जाय। क्या किसी रूप में यह बहस एक लोकतांत्रिक समाज के लिये लाभकारी है?

भारत धर्म, सम्प्रदाय व जाति की अप्रतिम विविधता से भरा देश है और एक लोकतांत्रिक समाज के लिये माकूल संरचना है। संविधान के अनुसार धर्मनिरपेक्षता जहां सत्ता को धर्म के प्रति निरपेक्ष रहने को प्रेरित करती है वहीं इसके अनुसार धार्मिक स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक को विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता देती है।

एक व्यक्ति जो लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास करता है और धर्म निरपेक्षता को समझता है उसके लिये यह बात स्पष्ट हो जाती है कि धर्म नितान्त व्यक्तिगत मसला है। उसे इससे आधारित स्वतंत्रता तो है लेकिन उसे यह अहसास होता है कि इस स्वतंत्रता का लोकतांत्रिक समाज में एक दायरा है जिससे बाहर जाने से समाज असंतुलित होगा।

यहां पर इसे समझना जरूरी रहेगा कि यह दोहरा मापदंड नहीं है। लोकतांत्रिक समाज में तार्किकता महत्वपूर्ण है। हमारे संविधान के आधार पर व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता भी एक लोकतांत्रिक मूल्य है लेकिन उसी संविधान के अनुसार यह बात भी प्राथमिकता से है कि धर्म, जाति व लिंग के आधार पर किसी भेदभाव को मान्य नहीं किया जायेगा। यदि हम इस बात पर स्पष्ट है कि हम किसी प्रकार के भेदभाव से मुक्त हैं तो हमारी व्यक्तिगत धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी रूप में इस आड़े नहीं आती कि हम अपने विचारों को दोहरा मापदंड जैसा देखें।

भारत के इतिहास ने हमें यह सीख दी है कि कि इस देश की संमप्रभुता तभी खतरे में पड़ी है जब-जब हमारा संमाज विखंडित रहा है। हमारी गुलामी के इतिहास के पीछे यह बड़ी वजह रही है इसलिये धर्म की कोई ऐसी बहस जो कि भेदभावपूर्ण हो देश की प्रगति को रोकेगी ही। ऐसे में यह बात एकदम स्पष्ट है कि धर्म प्रधान समाज का विमर्श इस देश के लिये लाभकारी नहीं है। एक लोकतांत्रिक समाज ही हमें प्रगति के पथ पर आगे ले जायेगा।

हमें अपनी धार्मिक स्वतंत्रता को एक लोकतांत्रिक समाज और संवैधानिक मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में ही देखना होगा। यदि हम ऐसा करते हैं तो हम अपने देश के लिये एक स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करेंगे और हमारा देश प्रगति के रास्ते में आगे बढ़ेगा। ऐसी परिस्थिति में हमें वर्तमान परिस्थितियों में होने वाले धर्म के विमर्श का मूल्यांकन इस बात से करना होगा कि ऐसा विमर्श हमारे देश के लिये कितना लाभकारी रहेगा।

भाषा के प्रति बाबा साहेब का राष्ट्रीय दृष्टिकोण

मीमांसा

लोकेन्द्र सिंह

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिए भाषा का प्रश्न भी राष्ट्रीय महत्व का था। उनकी मातृभाषा मराठी थी। अपनी मातृभाषा पर उनका जितना अधिकार था, वैसा ही अधिकार अंग्रेजी पर भी था। इसके अलावा बाबा साहेब संस्कृत, हिंदी, पर्शियन, पाली, गुजराती, जर्मन, फारसी और फ्रेंच भाषाओं के भी विद्वान थे। मराठी भाषी होने के बाद भी बाबा साहेब जब राष्ट्रीय भाषा के संबंध में विचार करते थे, तब वे सहज ही हिन्दी और संस्कृत के समर्थन में खड़े हो जाते थे। महाराष्ट्र के अस्पृश्य बंधुओं से संवाद करना था, तब उन्होंने मराठी भाषा में समाचारपत्रों का प्रकाशन किया। जबकि उस समय के ज्यादातर बड़े नेता अपने समाचारपत्र अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित कर रहे थे। बाबा साहेब भी अंग्रेजी में समाचारपत्र प्रकाशित कर सकते थे, अंग्रेजी में उनकी अद्भुत दक्षता थी। परंतु, भारतीय भाषाओं के प्रति सम्मान और अपने लोगों से अपनी भाषा में संवाद करने के विचार ने उन्हें मराठी में समाचारपत्र प्रकाशित करने के लिए प्रेरित किया होगा। यदि बाबा साहेब ने अंग्रेजी में समाचारपत्रों का प्रकाशन किया होता, तब संभव है कि वे वर्षों से 'मूक' समाज के 'नायक' न बन पाते और न ही उनके हृदय में स्वाभिमान का भाव जगा पाते। वहीं, जब उनके सामने राष्ट्रभाषा का प्रश्न आया, तब उन्होंने अपनी मातृभाषा की ओर नहीं देखा, वे भाषा के प्रश्न पर भावुक नहीं हुए, बल्कि तार्किकता के साथ उन्होंने हिन्दी और संस्कृत को राष्ट्रभाषा के रूप में देखा।

संविधान निर्माण के समय जब राष्ट्रभाषा और राज्य व्यवहार की अधिकृत भाषा का विषय आया, तब संविधान सभा में बाबा साहेब ने संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया। इस प्रस्ताव के समर्थन में लक्ष्मीकान्त मैत्र, टी. टी. कृष्णमाचारी, डॉ. बालकृष्ण केसकर (तत्कालीन विदेश उपमन्त्री), प्रा. नजीरुद्दीन अहमद, डॉ. अम्बेडकर तथा मद्रास-त्रिपुरा-मणिपुर-कुर्ग प्रान्तों के सदस्य थे। प्रा. नजीरुद्दीन अहमद ने संस्कृत का समर्थन करते हुए इस प्रस्ताव को सदन के पटल पर रखा और कहा कि एक ऐसे देश में जहां ढेरों भाषाएं बोली जाती हैं, वहां यदि एक भाषा को पूरे देश की भाषा बनाना चाहते हैं तो जरूरी है कि वह निष्पक्ष हो। उन्होंने पश्चिमी विद्वानों के उद्धरण देकर भी संस्कृत भाषा की अतुलनीय समृद्धि एवं शुद्धता को भी प्रमाणित किया। संस्कृत प्रा. शाहिदुल्ला ने तो यहाँ तक कहा कि व्यक्ति किसी भी वंश का हो, संस्कृत प्रत्येक की भाषा है। लक्ष्मीकान्त मैत्र ने कहा कि संस्कृत को मान्यता देकर जग को यह बता सकेंगे कि हम अपने प्राचीन वैभव का कितना आदर करते हैं। संस्कृत को स्वीकार कर हम भावी पीढ़ी का उज्ज्वल भविष्य निर्माण कर सकते हैं। परंतु, दुर्भाग्य यह कि डॉ. अम्बेडकर द्वारा संस्कृत भाषा के विषय में सुझाये गये संशोधन को स्वीकार नहीं किया गया। संविधान की आठवीं अनुसूची

में उसे मात्र एक भारतीय भाषा का स्थान दिया गया।

इस सन्दर्भ में एक ओर प्रसंग है। राष्ट्रभाषा पर केन्द्रीय कक्ष में विविध समूहों में चर्चा चल रही थी, तब लोगों को यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि चर्चा के समय डॉ. अम्बेडकर एवं लक्ष्मीकान्त मैत्र आपस में त्रुटिहीन संस्कृत में चर्चा कर रहे थे। डॉ. अम्बेडकर की इच्छा थी कि संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाने के विषय में शे. का. फेडरेशन के कार्यकारी मण्डल में 10 सितम्बर, 1949 को प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए, परन्तु बी. पी. मौर्य जैसे कुछ तरुण सदस्यों के विरोध के कारण वह सम्भव न हो सका। राष्ट्रभाषा के संबंध में पत्रकारों ने बाबा साहेब से पूछा कि आप संस्कृत का समर्थन क्यों कर रहे हैं? तब उन्होंने कहा- 'संस्कृत में क्या दोष है?'

संस्कृत के अलावा बाबा साहेब ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा और राज्य के व्यवहार की भाषा बनाने के लिए प्रयास किया। इस संबंध में 2 जून, 1956 को प्रकाशित 'जनता' के अंक में उनके विचारों को प्रकाशित किया गया है। बाबा साहेब को चिंता थी कि कहीं भाषा के आधार पर बने राज्य एक-दूसरे के विरुद्ध न खड़े हो जाएं? आधुनिक भारत के निर्माण की जगह कहीं मध्ययुगीन भारत न बन जाए? इस स्थिति से बचने के लिए बाबा साहेब ने हिन्दी को राज्य भाषा बनाने का सुझाव दिया। बाबा साहेब लिखते हैं- 'संविधान में यह व्यवस्था रखी जाए कि क्षेत्रीय भाषा किसी भी राज्य की राजभाषा नहीं होगी। राज्य की राजभाषा हिन्दी रहेगी'। भाषा को देश की एकजुटता का साधन बताते हुए बाबा साहेब आगे लिखते हैं- 'एक भाषा जनता को एकसूत्र में बांध सकती है। दो भाषाएं निश्चित ही जनता में फूट डाल देंगी। यह एक अटल नियम है। भाषा, संस्कृति की संजीवनी होती है। चूँकि भारतवासी एकता चाहते हैं और एक समान संस्कृति विकसित करने के इच्छुक हैं, इसलिए सभी भारतीयों का यह भारी कर्तव्य है कि वे हिन्दी को अपनी भाषा के रूप में अपनाएं'।

यह तथ्य आज भी प्रमाणित है कि भारत में भावनात्मक एकता और राष्ट्रीय एकात्मता हिन्दी द्वारा ही संभव है। बाबा साहेब ने तो यहाँ तक कर दिया था कि जो भी भाषा पर मेरे इस प्रस्ताव को नहीं स्वीकार करता, उसे भारतीय कहलाने का अधिकार नहीं। वह शत-प्रतिशत महाराष्ट्रीयन, शत-प्रतिशत तमिल या शत-प्रतिशत गुजराती तो हो सकता है, किंतु वह सही अर्थ में भारतीय नहीं हो सकता, चाहे भौगोलिक अर्थ में भारतीय हो। जब संविधान सभा में राष्ट्रभाषा के लिए हिन्दी का प्रस्ताव आया तो कांग्रेस पार्टी के नेता दो समूहों में बँट गए। एक, हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के पक्ष में था वहीं दूसरा समूह हिन्दी का विरोध कर रहा था। भाषा के विषय को लेकर संविधान सभा में सर्वाधिक विमर्श हुआ।

बाबा साहेब भाषा के प्रश्न को केवल भावुकता की दृष्टि से नहीं देखते थे। बल्कि उनके लिए भाषा को देखने का राष्ट्रीय दृष्टिकोण था। संस्कृत हो या फिर हिन्दी, दोनों भाषाओं के प्रति उनकी धारणा थी कि ये भाषाएं भारत को एकसूत्र में बांध कर संगठित रख सकती हैं और किसी भी प्रकार के भाषायी विवाद से बचा सकती हैं।

फल नहीं सही, जीवन भर छाया देते हैं बुजुर्ग : पंडित रसराज

दुनिया का सबसे छोटा वेद और पावरफुल मंत्र है हनुमान चालीसा

बैतूल। बुजुर्ग उस पुराने पेड़ की तरह होता है जो भले ही फल ना दे, लेकिन जीवन भर छाया तो देता है। बुजुर्ग के पास पुरानी और अनुभव की बातें होती है, जवानों के पास अभिमानी बातें होती है। श्री रामचरितमानस में दो बुजुर्गों का जिक्र है, श्री राम की सेवा में जामवंत और रावण की सेवा में माल्यवन। श्री राम ने कभी जामवंत की बात टाली नहीं और रावण ने कभी माल्यवान की बात मानी नहीं, जिसका परिणाम सबके सामने है। घर में बड़े बुजुर्गों के होने से फल भले नहीं मिले छाया हमेशा मिलती रहेगी। आहूजा परिवार किस्मत वाला है कि उनके ऊपर बुजुर्गों का साया है।

उक्त उद्गार देश के जाने-माने हनुमंत कृपा पात्र रसराज महाराज ने शनिवार शाम रामकृष्ण बगिया में आयोजित लयबद्ध सुंदरकांड पाठ के दौरान व्यास पीठ से व्यक्त किए। शहर के प्रमुख व्यवसाई व समाजसेवी हरवंश आहूजा, उनके सुपुत्र राजेश आहूजा, राकेश आहूजा द्वारा सुंदरकांड पाठ का आयोजन रखा था। देश-विदेश में श्री राम कथा, सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ को अपनी मधुर आवाज और अभिनव अंदाज में प्रस्तुत करने वाले रसराज महाराज ने सुंदरकांड पाठ की बेहतर प्रस्तुति से शनिवार की रात को रामकृष्ण बगिया में मौजूद सैकड़ों श्रोताओं के लिए यादगार रात बना दी।

रसराज महाराज ने किष्किंधा कांड के दोहा 29 को सुंदरकांड का रनवे बताते हुए कहा कि इसी दोहे में बूढ़े जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्ति याद दिलाते हुए 100 योजन समुद्र लांघने के लिए तैयार किया था। इसके बाद सुंदरकांड में हनुमान जी के पराक्रम का वर्णन है। रसराज महाराज ने सुंदरकांड की चौपाइयां दोहों का संगीतमय गायन करते हुए उनकी सुंदर व्याख्या की। हनुमान जी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में ऊंचाई मिले, तरक्की मिले तब भी राम नाम जपना नहीं भूलना चाहिए। सुरसा का प्रसंग सुनाते हुए रसराज महाराज ने कहा कि जीवन में बड़ा वही हो सकता है जिसमें बड़ा होने के बाद भी छोटा होने की आदत हो, हनुमान जी की यही क्वालिटी है, बड़ा काम करने के लिए छोटा बन जाते हैं। रसराज महाराज ने विभीषण जी के घर का उदाहरण देते हुए कहा कि घर में गौरी, गोपाल गीता और गाय हैं तब ही हमारा घर-घर होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार में बेटियों को मां भगवती की और बेटों को शिवजी की उपासना करनी चाहिए इससे उनका जीवन सफल हो जाएगा।

दुनिया में सहज और सरल रहना सबसे मुश्किल- रसराज महाराज ने कहा कि सहज सरल दो शब्द ऐसे है जिसमें ना तो मात्रा है ना बिंदी है, लेकिन दुनिया में सहज और सरल रहना सबसे मुश्किल है। रसराज महाराज ने उक्त आयोजन करने वाले आहूजा परिवार के लिए रामचरितमानस की चौपाई 'प्रभु की कृपा भयई सब काजू, जन्म हमार सफल भा आजू' की संज्ञा देते हुए व्यास पीठ से आहूजा परिवार के सभी सदस्यों को फूल माला पहनाकर आशीर्वाद दिया। सुंदरकांड पाठ के साथ ही रसराज महाराज ने हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का वाचन करते हुए कहा कि हनुमान चालीसा दुनिया का सबसे छोटा वेद और पावरफुल ग्रंथ है, जिसे हनुमान जी पर भरोसा है, उसका दुनिया में कोई भी कुछ नहीं कर सकता है। व्यक्ति को प्रतिदिन हनुमान चालीसा पाठ करना चाहिए। यदि 11 पाठ करें तो सर्वश्रेष्ठ है, नहीं तो 9 पाठ, 7 पाठ, 5 पाठ, 3 पाठ, 1 पाठ ही करें। एक पाठ भी ना कर पाए तो चार लाइन ही कह दे। चार लाइन भी ना हो सके तो रामचरितमानस का दर्शन ही कर ले, इससे भाग्य की रेखा बदल जाएगी, जीवन में कभी कोई समस्या नहीं आएगी। रसराज महाराज ने कहा रामचरितमानस आर्ट ऑफ लिविंग है, यह जीने की कला सिखाती है। वहीं श्रीमद् भागवत गीता मरना सिखाती है।

रामचरितमानस में सबसे सुंदर है सुंदरकांड: पं. कांत दीक्षित- सुंदरकांड पाठ की शुरुआत के पूर्व शहर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित कांत दीक्षित ने कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रामचरितमानस में सुंदरकांड खुद ही सबसे सुंदर है। 60 दोहे के सुंदरकांड में 9 बार सुंदर शब्द आया है। सुंदरकांड में हनुमान जी के लंका जाने, लंका दहन, सीता माता की खोज से श्री राम की सेना के समुद्र तट तक पहुंचने का जिक्र है। इसमें हनुमान जी को चिरंजीवी होने का आशीर्वाद मिला है। डॉ.दीक्षित ने कहा हमारे कुल 8 चिरंजीवी है, जिसमें दो हनुमान जी और विभीषण का पराक्रम सुंदरकांड में है सुंदरकांड में कई सीढ़ियां का प्रयोग किया गया है, इसलिए सुंदरकांड अद्वितीय है। पंडित कांत दीक्षित ने श्री राम का वर्णन करते हुए कहा कि राम जी कभी दो बात नहीं बोलते हैं और कभी शत्रु पर दो बाण नहीं चलाते हैं। पं.दीक्षित के अल्प उद्बोधन से रसराज महाराज खासे प्रभावित हुए। कार्यक्रम का संचालन अतुल पगारिया ने तथा बड़ी संख्या में हनुमान भक्तों की मौजूदगी पर राजेश आहूजा ने आभार व्यक्त किया। आहूजा परिवार के सुंदरकांड पाठ के आयोजन में विधायक हेमंत खंडेलवाल, आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे, घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा उइके, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला, पूर्व सांसद सुभाष आहूजा, नपाध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, प्रेम शंकर मालवी, अरुण सिंह किलेदार, राजीव खंडेलवाल, लमटी शाहपुर मंदिर के पं. अजय परसाई, प्रमोद अग्रवाल, योगी खंडेलवाल, मयंक-मयूर भार्गव, बलवंत धोटे, अनिल सिंह ठाकुर, संजय पप्पी शुक्ला, युवराज सिंह गौर, हेमंत पगारिया सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

कांग्रेसजनों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान को बचाने एवं मतदान करने की ली शपथ

बैतूल। संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर के जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेसजनों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान को बचाने एवं मतदान करने की शपथ ली। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वागद्रे ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है जिसके संविधान में बाबा साहब अम्बेडकर ने देश के सभी नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य की रचना की गयी है जिससे देश के सभी नागरिकों के अधिकार सुरक्षित है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस हेमन्त वागद्रे, प्रदेश महामंत्री समीर खान, सेवादल जिला अध्यक्ष अनुराग शुक्ला, धीरु शर्मा, डा. नितिन देशमुख, राजेश गावण्डे, मोनू वाघ, प्रशांत राजपूत, पार्षद मूलचंद नागले, राजकुमार दीवान, हेमन्त पगारिया आदि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

पुलिस ने पकड़ी 140 लीटर अवैध कच्ची शराब

अवैध शराब व्यापार करते दो व्यक्ति पकड़ाए

बैतूल। मुलताई पुलिस ने दबिश देकर 140 लीटर अवैध कच्ची शराब एवं दो व्यक्तियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम खापा में झील के पास दो व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध शराब बेचने की नियत से खड़े है। मुखबिर सूचना पर थाना मुलताई पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये मुखबिर द्वारा बताये स्थान पर दबिश देकर अंकित पिता दिनेश धुर्वे उम्र 20 साल निवासी ग्राम खापा एवं अशोक पिता देवराव धुर्वे उम्र 30 साल निवासी ग्राम खापा को पकड कर उनके कब्जे से करीबन 140 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब विधिवत जप्त की गई एवं आरोपीगणो के विरूध्द धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया।उक्त कार्यवाही में थाना मुलताई प्रभारी राकेश सातनकर, छत्रपाल धुर्वे, अमित पवार, सुनिल सरेयाम, सोनू ठाकुर, विवेक चौरे ,प्रिंस अहिरवार,नरेन्द्र कुशवाह, कमलेश भलावी,तोताराम एवं नगररक्षा समिति सदस्य उमेश, आकाश की मुख्य भूमिका रही है।

स्वच्छता अभियान चलाकर मनाई अम्बेडकर जयंती

बैतूल। शहर के युवाओं ने बाबा साहेब जयंती करबला घाट पर सघन स्वच्छता अभियान चलाकर मनाई। इस मौके पर समाजसेवी हेमंत बबलु दुबे ने कहा कि किसी भी महापुरूष को सच्ची श्रद्धांजली देना है तो समाज के हित में कार्य करें। दिपेन्द्र युवने (मोंटी) ने कहा कि बाबा साहेब के जीवन का अनुकरण करते हुए तय किया गया कि माचना नदी में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। उन्होने कहा कि बाबा साहेब ने भी समाज और राष्ट्र सेवा के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया था। शंकर सातनकर ने कहा कि बाबा साहेब का लोहा आज भी पूरी दुनिया मानती है। उन्होने गरीबों और महिलाओं को उनके अधिकार दिए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु मौजूद थे।

रामनवमी उत्सव की तैयारी को लेकर इस्कॉन मंदिर परिवार में आंनद का माहौल

नर्मदापुरम। भगवान कृष्ण की प्रसन्नता के लिए आज एलआईसी दफ्तर के उपर द्वितीय तल स्थित इस्कॉन मंदिर में रोज के भांति मंगल आरती सम्पन्न हुई, सम्पन्न हुई मंगल आरती में आज भक्ति ग्राम से पधारे नर्मदा दास प्रभु की विशेष उपस्थित रहीं। जिनका सानिध्य सभी वैष्णव भक्तों को मिला। सुबह पांच बजे निश्चित समय पर शंखनाद से प्रारंभ हुई मंगल आरती में नर्मदा दास प्रभु के नेतृत्व आरती गायन और हरिनाम संकीर्तन वैष्णव भक्तों ने दोहराया, पुजारी आलम्बन दास प्रभु ने इस दौरान अगरबत्ती, दीपक, जल, वस्त्र, पुष्प से भगवान की सेवा अर्चना की 22 मिनट तक चले कृष्ण आराधना में उपस्थित सभी भक्त नर्मदा दास प्रभु के गायन शब्द दोहराया, ठीक वैसे ही आरती के अंत में हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम राम राम हरे राम हरिनाम कीर्तन दोहराते, संकीर्तन के दौरान भक्त बजते वाद्ययंत्र पर दोनों हाथों को आसमान की और उठकर थिरकते, झूमते, नृत्य करते मानों भगवान को रिझाकर, आध्यात्मिक सुख प्राप्त करते तीव्र और तेज स्वर में बजती करताल उस लय को उससे मिलकर बजती मृदंग, करतल (ताली) और घंटे का स्वर का हर भक्तों को इस दौरान संकीर्तन में नृत्य करने को मजबूर कर देता जिसका वर्णन किया जाना (वह संकीर्तन में शामिल होकर ही महसूस किया जा सकता) संभव नहीं। संकीर्तन के पश्चात गुरु परंपरा निर्वहन के लिए जयघोष और उसके बाद भगवान नरसिंह देव की आराधना करते हुए भक्त एक बार फिर आध्यात्मिक प्रगति के लिए स्वयं को उर्जावान महसूस करते, भगवान नरसिंह देव आराधना के पश्चात लगभग आठ मिनट भक्ति देवी तुलसी महारानी की आरती और इससे जुड़ा दो मिनट का पुनः हरि नाम संकीर्तन, इसके बाद मंदिर में सभी भक्तों द्वारा महामंत्र का सामूहिक जाप भक्तों को पूरे दिन की उर्जा और उसे आध्यात्मिक प्रगति के लिए तरोताजा बनाए रखने में मददगार साबित होता वैसे तो प्रति दिन यहां सुबह मंगल आरती होती है जिसमें महिला और पुरुष दोनों ही भक्त शामिल होते लेकिन रविवारीय दिन विशेष होता है। रविवारीय अवकाश का लाभ उठाने और आध्यात्मिक जीवन की प्रगति के लिए इस दिन भक्तों की संख्या ज्यादा होती है। छह दिन भौतिकवाद से घिरे रहकर सातवें दिन भौतिकता से पूरी तरह दूर आध्यात्मिक जीवन की प्रगति के लिए मंदिर में होने वाले कार्यक्रमों में भागीदार होकर भगवान कृष्ण की सेवा में रहकर जो बहुत ही आनंद पाते साथ ही घर जाने से पूर्व भगवान का भोग (उच्छिष्ट) ग्रहण कर स्वयं को परम भाग्यशाली मानते हैं। मंदिर के सभी भक्त इन दिनों आगामी दिन रामनवमी उत्सव मनाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। विवेकानंद घाट पर आयोजित होने वाले रामनवमी उत्सव में शामिल होने के लिए पूरे नगर में घरों घर जाकर जो सभी गृहस्थों को आमंत्रित कर रहे.. अधिक से अधिक लोग जिससे कृष्ण भक्ति से जुड़कर आध्यात्मिक लाभ ग्रहण कर भगवान के धाम का मार्ग प्रशस्त कर सके के लिए सेवाएं भी ग्रहण कर रहे हैं।

पूर्व सांसद, विधायक, भाजपा जिलाध्यक्ष ने बाबा साहब की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

अम्बेडकर चौक पर छाछ का किया वितरण

बैतूल। देश के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर सांसद,विधायकों भाजपा जिलाध्यक्ष सहित संगठन पदाधिकारियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण - पुष्प वर्षा कर उन्हें नमन किया तथा सेवा कार्य किये। अम्बेडकर चौक बैतूल में पूर्व सांसद-भाजपा प्रत्याशी डी.डी.उइके, बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल आमला विधायक डॉ.योगेश पंडाग्रे, भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य शुक्ला पूर्व विधायक शिवप्रसाद राठौर, बैतूल नपा अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर ने संविधान निर्माता बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण -पुष्प वर्षा कर उन्हें नमन किया। अम्बेडकर जयंती के अवसर पर सांसद विधायकों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों संगठन पदाधिकारियों नें अम्बेडकर चौक पर छाछ वितरण किया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, विक्रम वैघ, सुनील गडडू शर्मा, दीपू सलूजा, तक्षित सोनारे, रक्कू शर्मा, मुकेश झारे, राहुल लोहाडिया, मोनू सोनी सहित भाजपा नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

लापता बुजुर्ग का शव सूखे नाले में मिला

बैतूल। मुलताई थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित मासोद पुलिस चौकी के ग्राम हिवरखेड का निवासी बुजुर्ग बीते दो दिन से लापता था। शनिवार को बुजुर्ग का शव ग्राम तेलिया मार्ग पर स्थित सूखे नाले में पड़ा मिला।ग्राम हिवरखेड निवासी किसना पिता मारोती कावनपूरे 62 साल, बीते 11 अप्रैल को सुबह बिना बताए घर से कही चले गए थे। परिजनों ने बुजुर्ग किसना की संभावित ठिकानों पर खोजबीन की। लेकिन बुजुर्ग किसना का कही पता नहीं लगने पर किसना के पुत्र सुरेश कावनपुरे ने अपने पिता की गुमशुदगी की रिपोर्ट मासोद पुलिस चौकी में दर्ज की थी।बीशनिवार सुबह 10 बजे के दरमियान ग्राम तेलिया जाने वाले मार्ग पर ग्राम मासोद से कुछ दूरी पर स्थित सूखे नाले में ग्रामीणों ने बुजुर्ग का शव पड़ा देखा तो इसकी जानकारी मासोद पुलिस चौकी में दी। सूचना पर सहायक उपनिरीक्षक महेश धाकड़, आरक्षक मेहमानसिंह कवरेती स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। किसना की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के चलते रिपोर्ट दर्ज करने वाले सुरेश को अज्ञात बुजुर्ग का शव मिलने की जानकारी दी। जिस पर सुरेश परिजनो के साथ मौके पर पहुंचा और मृतक की शिनाख्त अपने पिता किसना कावनपुरे निवासी हिवरखेड बतौर की। मृतक की शिनाख्त होने के बाद पुलिस ने मौके पर पंचनामा बनाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवायाएम पोस्ट मार्टम होने के बाद शव को परिजनों को सौंपा। बीसहायक उपनिरीक्षक श्रीधाकड़ ने बताया कि शव के पास खेतों में उपयोग होने वाले कीटनाशक दावाओ के डिब्बे मिले हैं। इस स्थिति में प्रथम दृष्टया बुजुर्ग किसना की मौत कीटनाशक पीने से होने की संभावना नजर आ रही है । पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही बुजुर्ग की मौत के कारणों का खुलासा होंगा। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

मरीजों को 108 एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिलने से मरीज होते हैं परेशान

बैतूल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बोरदेही में जय अंबे इमरजेंसी सर्विस द्वारा बीएलएस मेडिकल एंबुलेंस प्रदान की गई है। जिसमें क्षेत्र के मरीजों को बेहतर सुविधा मिल सके एवं घायल मरीजों को तत्काल मौके पर इलाज कर अस्पताल पहुंचा सके। लेकिन 108 एंबुलेंस की सुविधा मरीजों को नहीं मिल पा रही है। बोरदेही अस्पताल को प्रदान की गई इमरजेंसी एंबुलेंस आधे दिन मुलताई में खड़ी रखकर मरीजों को जो सुविधा मिलना चाहिए, वो सुविधा से मरीज वंचित रह रहे हैं। बोरदेही 108 एंबुलेंस से ग्रामीणों को काफी उम्मीद थी लेकिन समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने से मरीजों के परिजन नाखुश रहते हैं।

ग्रामीणों ने बताया गया कि बोरदेही की मेडिकल एंबुलेंस 108 जो अधिकतर समय फर्जी आईडी लेकर बोरदेही से मुलताई एवं अपने स्वयं के काम करने के लिए नौ दो ग्यारह हो जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि तीन से चार घंटे मुलताई में वाहन को खड़े रखकर बोरदेही क्षेत्र के कोई भी केस जैसे रोड एक्सीडेंट, या डिलीवरी केस जब बोरदेही वाहन को कॉल किया जाता है। तो ड्यूटी स्टॉप कहता है कि मुलताई से गाड़ी आऐगी। जिसमें एक से डेढ़ घंटे का समय बताया जाता है। जिससे मरीजों के परिजन अधिक समय लगने के कारण 108 इमरजेंसी एंबुलेंस को आने से मना करना पड़ता है। जिसमें मरीजों के परिजनों को मजबूरन निजी साधन करके अस्पताल लाया जाता है। परिजनों ने ये भी बताया कि बोरदेही 108 इमरजेंसी एंबुलेंस ड्यूटी स्टॉप आधे से अधिक समय ड्यूटी के दौरान ईएमटी और पायलट शराब के नशे में धुत रहते हैं। जब भी कोई केस मिलता है। तो मरीज को लेने जब वाहन मरीज के घर पहुंचता है। तो मरीज एवं परिजनों से ड्यूटी स्टॉप अभद्रता करते हैं।

बताया जाता है कि बोरदेही क्षेत्र में समय पर 108 एंबुलेंस नहीं मिलने पर बहुत से मरीजों ने रोड एक्सीडेंट में घायल हो या प्रसूति, डिलीवरी का मामला हो समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने से मरीजों ने अपनी जान तक गवा दिया है। पूर्व में भी इसी तरह छिपनिया पिपरिया हो या कचरबोह की प्रसूता अगर इन मरीजों को समय पर एंबुलेंस मिल जाती तो ये आज जीवित रहते। इस तरह 108 इमरजेंसी एंबुलेंस के कर्मचारी शासन प्रशासन की योजनाओं की मिट्टीपलित करने में कोई भी कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसे ड्यूटी स्टॉप के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

मुलताई नगर सहित क्षेत्र में उत्साह से मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

बाबा साहब को किया याद कर निकाली गई शोभायात्रा

बैतूल/मुलताई- भारत रत्न डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के 133 सी जयंती नगर के अंबेडकर चौक नाका नंबर एक एवं ग्राम बघोड़ा के अंबेडकर परिसर सहित क्षेत्र के अनेक ग्रामों में उत्साह पूर्वक मनाई गई। जगह-जगह बाबासाहेब अंबेडकर की शोभायात्राएं निकल गई, बाबा साहब की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया गया। मुलताई के तापी तट आनंद बौद्ध विहार से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए अंबेडकर चौक नाका नंबर एक पहुंची जहां बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। नगर के अंबेडकर चौक पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम का आयोजन आनंद बौद्ध विहार समिति एवं यशोधरा महिला मंडल मुलताई द्वारा किया गया था जिसमें बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुषों ने भाग लिया। अनेक वक्ताओं ने बाबा साहब अंबेडकर जीवन पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रतिबद्धता व्यक्ति की। उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मिलिंद बौद्ध राष्ट्रीय अध्यक्ष परिवार धम्म संगोष्ठी भोपाल, विशेष अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष वर्षा गाडेकर शिशु लता बौद्ध मनीराम गुजरे के आदित्य में संपन्न हुआ।

ग्राम बगोड़ा में किया बाबा साहब को याद- भारत रत्न डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती ग्राम बघोड़ा के अंबेडकर परिसर में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । कार्यक्रम का संचालन आयुष्मान शिवकुमार नागले द्वारा किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम के वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान मारोतराव भूमरकर द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के छायाचित्र के सामने मोमबत्ती प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से समिति के अध्यक्ष आयुष्मान नंदलाल शेषकर ग्रामीण देवेंद्र नागले गुलाब नागले विजय कुमार भूमरकर हेमचंद भूमरकर भारत भूमरकर एवं अन्य ग्रामीण बंधु एवं महिलाएं भी उपस्थित रही।

वक्रोक्ति

राम पुनियानी

सुप्रीम कोर्ट की बाबा रामदेव को फटकार

पिछले कुछ दशकों में भारत में कई बाबाओं का उदय हुआ है. इसके पहले भी बाबा हुआ करते थे मगर इन दिनों बाबाओं का जितना राजनैतिक और सामाजिक दबदबा है, उतना पहले शायद कभी नहीं रहा. कई बाबा अनेक तरह के काले कामों में लिप्त भी पाए गए हैं मगर उनकी दैवीय छवि के चलते उनके अपराधों को नज़रअंदाज़ किया जाता रहा है. शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती पर उनके आश्रम के एक कर्मी शंकर रमण की हत्या का आरोप था. सत्यसांई बाबा के प्रशांति निलयम में भी एक हत्या हुई थी. गुरमीत राम रहीम के कुकर्मों को उजागर करने के लिए पत्रकार छत्रपति रामचंद्र को अपनी जान गंवानी पड़ी. अंततः राम रहीम कानून के पंजे में फँस गया और इन दिनों जेल में है. यह अलग बात है कि वो अधिकांश समय पैरोल पर बाहर रहता है. आसाराम बापू लम्बे समय तक कानून की पकड़ से दूर रहा मगर अब वह सीखचों के पीछे है. इस समय बागेश्वर धाम नामक एक बाबा काफी लोकप्रिय है. ये कुछ उदाहरण मात्र हैं. देश में असंख्य बाबा हैं जो अपने-अपने अंधभक्तों की भीड़ से घिरे रहते हैं. उनकी रईसी देखते ही बनती है.

दो अन्य बाबाओं का ज़िक्र ज़रूरी है. एक हैं श्री श्री रविशंकर, जिन्होंने अपने उत्सव के लिए यमुना को बर्बाद कर दिया था. वे अन्ना हजारे के आरएसएस-समर्थित आन्दोलन से भी जुड़े हुए थे. फिर बाबा रामदेव हैं. रामदेव ने अपने करियर की शुरुआत योग गुरु के रूप में की थी. लेकिन बाद में उन्होंने पतंजलि ब्रांड नेम से व्यापार शुरू कर दिया. आयुर्वेदिक उत्पादों को बनाने और बेचने वाली इस कंपनी ने बाबा रामदेव को अरबपतियों की श्रेणी में ला खड़ा किया. बाबा रामदेव और उनके सहयोगी आचार्य बालकृष्ण ने एक बड़ा साम्राज्य स्थापित कर लिया है और उन्हें चुनौती देने वाला कोई नहीं है. या कम से कम अब तक तो नहीं था. उनके आयुर्वेदिक उत्पादों का जबरदस्त प्रचार-प्रसार हुआ और मीडिया का एक बड़ा तबका उनका गुणगान करने लगा.

बाबा और आचार्य की शैक्षणिक योग्यता के बारे में हम बहुत नहीं जानते. इस समय देश में कई आयुर्वेदिक कॉलेज हैं मगर इन दोनों के पास शायद आयुर्वेद की कोई डिग्री नहीं हैं. पड़ताल से बचने के लिए रामदेव ने देशभक्ति का लबादा ओढ़ लिया और यह कहते रहे कि वे बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला कर रहे हैं.

असली खेल शुरू हुआ कोविड-19 महामारी के दौरान. एक ओर सरकार ने पुणे स्थित भारत बायोटेक को कोवैक्सीन का विकास और उत्पादन करने हेतु भारी आर्थिक मदद उपलब्ध करवाई वहीं बाबा रामदेव ने यह दावा किया कि उनकी कंपनी ने कोविड-19 के इलाज और उससे बचाव के लिए एक दवाई विकसित की है जिसका नाम है कोरोनिल. हमें यह भी बताया गया कि कोरोनिल को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) का अनुमोदन प्राप्त है. जब आयुष मंत्रालय ने इस दावे को चुनौती दी तो पंतजलि की ओर से यह कहा गया कि कोरोनिल 'डब्लूएचओ के मार्गनिर्देशों के अनुरूप है. आयुष मंत्रालय ने कोरोनिल के बारे में दावों को सत्यापित करने से इंकार कर दिया. इसके बाद भी कोरोनिल के कांबो पैक को बड़ी धूमधाम से दो केबिनेट मंत्रियों- डॉ. हर्षवर्धन और नितिन गडकरी, की उपस्थिति में जारी किया गया. हर्षवर्धन स्वयं एलोपैथिक डाक्टर हैं. इस कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से यह जाहिर है कि वे भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों के कितने अंधभक्त हैं.

बाबा ने दावा किया कि कोरोनिल का परीक्षण मामूली से लेकर मध्यम श्रेणी के कोविड संक्रमण से पीड़ित लोगों पर किया गया और कोरोनिल का सेवन करने के कुछ ही दिनों के भीतर उनका कोविड टेस्ट निगेटिव हो गया. आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में किसी भी नई दवा को सामान्य उपयोग के लिए जारी करने के पहले उसका जैव रासायनिक विश्लेषण किया जाता है, पशुओं पर उसका परीक्षण किया जाता है और फिर समुचित आकार के नमूनों पर उसकी 'डबल ब्लाइंड' ट्रायल की जाती है. कोरोनिल के मामले में इनमें से कुछ भी नहीं किया गया.

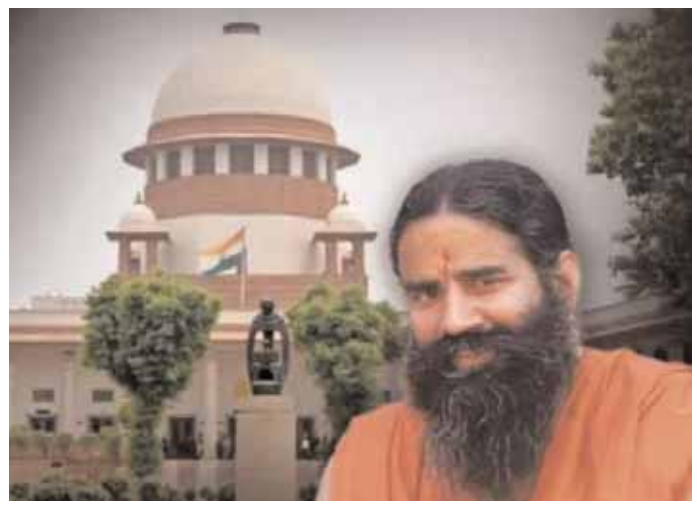

अपनी व्यवसायिक सफलता से गदगद बाबा रामदेव ने गोदी मीडिया की प्रशंसा को कबूल किया. इससे एक कदम आगे बढ़कर उन्होंने एलोपैथी को एक बेवकूफाना विज्ञान बताना शुरू कर दिया. इससे व्यथित होकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने रामदेव के खिलाफ प्रकरण दायर किया जिसकी सुनवाई हाल में हुई. रामदेव ने अदालत में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का अपमान करने के लिए आईएमए से क्षमायाचना की. यहां पाठकों को यह याद दिलाना श्रेयस्कर होगा कि बाबा रामदेव ने जब भ्रष्टाचार के खिलाफ भूख हड़ताल की थी तब उन्होंने यह दावा किया था कि योग के कारण उनका शरीर इतना मजबूत हो गया है कि वे लंबे समय तक बिना भोजन के रह सकते हैं. मगर उपवास प्रारंभ करने के कुछ ही दिनों के बाद उनकी हालत इतनी पतली हो गई कि उन्हें एक एलोपैथिक अस्पताल में भर्ती करना पड़ा. इसी तरह करीब एक वर्ष पहले जब आचार्य बालकृष्ण बीमार पड़े तो वे एक एलोपैथिक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हो गए.

उच्चतम न्यायालय की चेतावनियों के बाद भी बाबा की कंपनी भ्रामक विज्ञापन जारी करती रही. अदालत ने उन्हें बुलाया और बाबा ने गिड़गिड़ाते हुए माफी मांगी. मगर अदालत ने उनकी माफी मंजूर नहीं की.

अदालत में चल रहे प्रकरण का नतीजा चाहे जो हो सवाल यह है कि देसी चिकित्सा पद्धतियों और आस्था पर आधारित ज्ञान के आधार पर कोई भला किस तरह आधुनिक चिकित्सा पद्धति का मखौल बना सकता है? यह मानने से किसी को इंकार नहीं है कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में ही नहीं बल्कि दादी मां के नुस्खों में भी कुछ ज्ञान हो सकता है. मगर आधुनिक चिकित्सा पद्धति साक्ष्य और साथी चिकित्सकों व वैज्ञानिकों की समीक्षा पर आधारित होती है. हर दावे को हर तरह की समीक्षा और समालोचना का सामना करना पड़ता है. और इसके नतीजे में ही ऐसी चीजें विकसित होती हैं जो मानवता के लिए उपयोगी साबित होती हैं.

इसके विपरीत आस्था पर आधारित ज्ञान और उससे जुड़ी चिकित्सा प्रणालियों पर प्रश्न नहीं उठाए जा सकते. हर बाबा अपनी तरह से रोगों का इलाज करता है. चिकित्सा प्रणालियों के प्रोटोकाल में लगातार सुधार इसलिए होता रहता है क्योंकि उसकी समीक्षा करने का अधिकार सभी को होता है. इसके विपरीत रामदेव जैसे लोग अपने दैवीय दर्जे का लाभ उठाते हुए मनमाने दावे करते हैं और उन्हें न तो कोई चुनौती देता है और न कोई उनकी आलोचना करता है. बाबा ने यह दावा भी किया था कि वे कैंसर और एड्स का इलाज भी कर सकते हैं. वे तो समलैंगिकता को भी एक रोग मानते हैं और उनका दावा है कि वे इलाज से उसे ठीक कर सकते हैं.

अब तक उन्हें सत्ता का संरक्षण प्राप्त था और इसी के चलते वे इतने अहंकारी हो गए थे कि वे एलोपैथी का मजाक बनाते थे और 'अपनी' प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ बताते थे.

बाबा लोग इतने मजे में क्यों हैं? इसका कारण यह है कि पिछले कुछ सालों में भारत में धर्म के नाम पर राजनीति का बोलबाला बढ़ा है. इसके साथ ही प्राचीन ज्ञान का भी महिमामंडन किया जा रहा है. वैज्ञानिकता और तार्किकता में विश्वास करने वाले लोग चाहते हैं कि प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर कसा जाए. यही बात डॉक्टर दाभोलकर, गोविंद पंसारे, एमएम कलबुर्गी और गौरी लंकेश कहते थे. और उन्हें इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी. आज हमारे देश में तार्किक सोच और पद्धतियों को परे हटाकर केवल आस्था पर आधारित ज्ञान का ढोल पीटा जा रहा है. यहां तक कि शैक्षणिक संस्थाओं में भी आस्था आधारित ज्ञान विद्यार्थियों को पढ़ाया जा रहा है.

बाबा रामदेव श्रद्धा और अंधश्रद्धा के कांबो से पीड़ित रोगी समाज के लक्षण हैं. सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सा की दुनिया में बाबाओं की मनमानी को रोकने का जो प्रयास किया है वह सराहनीय है.

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन् 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी अवॉर्ड से सम्मानित हैं)

'गोल्डन ट्रॉफी' म.प्र.सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में धार के शटलरों का शानदार प्रदर्शन, इशिमत अरोरा ने अंडर 11 बालक एकल एवं युगल वर्ग में 'राज्य विजेता'

धार। 8 से 13 अप्रैल 2024 तक गोल्डन इन्टरनेशनल स्कूल इन्दौर में खेली गई 'गोल्डन ट्राफी' म प्र सब जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में धार के शटलरो ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए कई उपलब्धियां हासिल की । अंडर 11 बालक युगल वर्ग के फाइनल मुकाबला रुप के ही शटलरो के मध्य खेले गया। स्पर्धा में नन्हे शटलर्स इशिमत अरोरा ने अंडर 11 बालक एकल एवं युगल वर्ग में 'राज्य विजेता' का खिताब जीतकर दोहरी सफलता अर्जित कर अपनी श्रैष्ठ खेल प्रतिभा का परिचय दिया है । इसके अलावा अद्रितिया शर्मा ने अंडर 11 बालिका युगल वर्ग में 'राज्य विजेता' का खिताब जीतकर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया । पार्थ शर्मा, अंडर 15 बालक युगल वर्ग,जयदीप बोरासी, प्रियांशु बारीया अंडर 11 बालक युगल वर्ग में 'राज्य उप- विजेता' बने।उक्त जानकारी देते हुए सुधीर वर्मा बैडमिंटन प्रशिक्षक ने बताया कि अंडर 11 बालक एकल वर्ग के फाइनल मुकाबले में इशिमत अरोरा ने ईशान अली को 21-11,21-13 से तथा अंडर 11 बालक युगल वर्ग के फाइनल मुकाबले में इशिमत अरोरा एवं जयादित्य मित्तल (उज्जैन) की जोड़ी ने रुप के ही प्रियांशु बारीया एवं जयदीप बोरासी की जोड़ी को 21-9,21-15 से पराजित

से कर पहली बार 'राज्य विजेता' का खिताब जीता। इशिमत ने अंडर 13 बालक एकल वर्ग में भी तृतीय स्थान प्राप्त कर अपनी श्रेष्ठता साबित की। अंडर 11 बालिका युगल वर्ग के फाइनल मुकाबले में समायरा सक्सेना एवं अद्रितिया शर्मा की जोड़ी ने भूमिका एवं अदिति की जोड़ी को 21-10,21-14 से पराजित कर पहली बार 'राज्य विजेता' का खिताब जीता। अंडर 15 बालक युगल वर्ग के फाइनल मुकाबले में जसराज सिंह सलूजा एवं मैदाश शर्मा की जोड़ी ने पार्थ शर्मा एवं काव्य शर्मा की जोड़ी को 21-18,21-11 से पराजित कर युगल वर्ग में 'राज्य विजेता' का खिताब जीता। पार्थ शर्मा ने युगल वर्ग में 'राज्य उप- विजेता' का खिताब जीता इसके अलावा अंडर 15 बालक एकल वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। हर्षवर्धन सिंह, अद्रितिया शर्मा ने अंडर 11 बालक एवं बालिका एकल वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्पर्धा में अविका वर्मा, वरूण वर्मा, आश्रय गोहिल, दिव्यांशु डाबर, हिमांक सक्सेना रियान शर्मा, रूद्राक्ष शर्मा, सौरभ सिसोदिया,प्रिया सिसोदिया,अदवीत जैन,अरशान खान,शारवी मंडलोई निहारा पाटोदिया, चारवी किडवाल, अदव्यीक गोहिल,अनय यादव,अर्थव सुखराशी,शुभ्रा चौधरी,आरणा छाजेड़, उद्धव भार्गव,तनय जायसवाल, तनुज हरोड़, आनंद मोरे,निरव सोनार ,आदि ने भी भाग ले कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। शटलरो की उक्त राज्य स्तरीय उपलब्धि संस्था अध्यक्ष शरदचंद्र निगम ने अत्यंत हर्ष व्यक्त करते हुए विजेता , उप-विजेता, शटलर्स, कोचेस, को बधाई देते हुए कहा कि यह खिलाड़ियों की सकारात्मक मेहनत का सार्थक परिणाम है। शटलरो की इस राज्य स्तरीय उपलब्धि पर राजेश शाक्य जिला खेल अधिकारी, भूपेंद्र जोशी सचिव लिटिल शटलर ग्रुप, सलीम खान सचिव डीडीबीए, भूपेंद्र सिंह राजावत, सुन्दर रायकवार सहित सभी पालकगण ने बधाई प्रेषित की है।

पद एक व्यवस्था है, हम सब भाजपा के एक सामान्य कार्यकर्ता हैं : उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा

भाजपा के तीन मंडलों की शक्ति केंद्र टोली , पदाधिकारियों व प्रभारियों की बैठक को उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने किया संबोधित

धार। भाजपा जिला संगठन के सरदारपुर अमझेरा,लाबरिया मंडल शक्ति केंद्र के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओ के सम्मेलन को उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने दसई में संबोधित किया। अतिथियों द्वारा पितृ पुरुष श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रजवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

बैठक को लोकसभा प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया ने भी बैठक को सम्बोधित किया।

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे मे विस्तार से बताया एवं संयोजको से आग्रह किया कि हर बूथ पर जाकर लोगो को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से अवगत

करवाना हे। अबकी बार 400 पार का नारा दिया गया है जिसे हमे पुरा करना है। भाजपा कार्यकर्ताओ की पार्टी हैं, शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता मजबूत कार्यकर्ता होते हैं। भाजपा की नींव में वह जनसंघ के कार्यकर्ता है, जिन्होंने साइकिल पर जीरो से शुरूआत की थी। जनसंघ का काम भूखे, प्यासे रहकर किया। तब कोई गांव में खाना खिलाएगा यह भी मुसीबत थी। कार्यकर्ताओं में पार्टी के प्रति दीवानापन रहता है। चुनाव लड़ना हमारी ताकत नहीं है। चुनाव कार्यकर्ता लड़ता है। बनने वाले को गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए कि मैं कुछ बन गया। पद एक व्यवस्था हैं , नहीं तो हम एक भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता हैं। इस दौरान लोकसभा विस्तारक ओम प्रकाश दय्या, विधानसभा प्रभारी नरेश राजपुरोहित, जिला पंचायत सदस्य गायत्री पुरोहित और जगदीश भाभर, संजय बघेल, जिला मंत्री मुकेश केवलजी व दीपक फेमस, जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी मंडल अध्यक्ष जितेन्द्र रघुवंशी, मुकेश शर्मा, अखिलेश यादव, जय सूर्या मंडल महामंत्री दिनेश पटेल सहित भाजपा मंडल पदाधिकारी,शक्ति केंद्र प्रभारी सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक का संचालन राकेश नाहर व आभार सुरेश पाटीदार ने माना।

भारत रत्न डॉ. अंबेडकर गरीबों के मसीहा : मनोज सोमानी

डॉ. साहब के सपनों को साकार कर रही भाजपा : नीना वर्मा

धार। भारतीय जनता पार्टी एवं अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती पर नगर के त्रिमूर्ति चौराहे पहुंचकर भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि धार विधायक नीना वर्मा,

भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा ने अपने विचार व्यक्त किए।

विधायक नीना वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में डॉ भीमराव अंबेडकर के सपने को साकार कर रही है। भारतीय जनता पार्टी दलित, शोषित और वंचितों को सामर्थ्यवान बनाने में लगी हुई है।

मनोज सोमानी ने कहा कि बाबा साहब पूरा जीवन गरीबों के लिए और उनके कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। संविधान का निर्माण करके भारत को सशक्त और समृद्धशाली बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज देश उनके इस योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष नितेश अग्रवाल और विपिन राठौर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, अनिल जैन बाबा, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा, कालीचरण सोनवानिया, मंडल महामंत्री राजेश डाबी, सन्नी होड़ा, राजेश हारोड़, प्रकाश टामकिया, शांतिलाल शर्मा, हरिओम, विक्की परमार, अमन फकीरा, विमल परमार, राहुल खटीक,नमन रावल, भय्यूराम मंजुला बघेल सहित पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उपस्थित रहकर भारत रत्न डॉक्टर साहब को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। भाजपा लोकसभा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने डॉ भीमराव अम्बेडकर जन्म स्थली महू में किया नमन.. रविवार को महू पहुंचकर भाजपा लोकसभा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर ने भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर जन्म स्थली महू जाकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कोटि कोटि नमन किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर साहब जयंती पर संघ का गुणवत्ता संचलन आयोजित

धार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का जिला स्तरीय गुणवत्ता संचलन रविवार को अल सुबह निकला। जिसमें जिले भर से करीब 200 स्वयंसेवक कदम से कदम मिलाते हुए अनुशासित ढंग से संचलन करते हुए नजर आए । संचलन शहर के सरस्वती शिशु मंदिर पौचौपाटी से प्रारंभ होकर राजवाडा, आनंद चौपाटी, जवाहर मार्ग, मोहन टॉकीज़, घोड़ा चौपाटी होते हुए अंबेडकर चौराहे (त्रिमूर्ति) पर समाप्त हुआ ।

संचलन का शुभारंभ सर्वप्रथम संघ स्थान पर एकत्रीकरण के साथ हुआ।

वही प्रचलन की आज्ञा होते ही स्वयंसेवकों ने अपने पूर्ण अनुशासन में संचलन प्रारंभ किया। संघ के स्वयंसेवक जिस प्रकार अपने अनुशासन के लिए जाने जाते हैं वही नज़ारा गुणवत्ता संचलन में नगर के प्रबुद्ध लोगों को देखने को मिला ।

गुणवत्ता संचलन में स्वयंसेवकों को विशेष तौर पर अभ्यास करवाया गया.. - आमतौर पर संघ प्रत्येक कार्य को अनुशासित ढंग से करता है । पर गुणवत्ता संचलन में स्वयंसेवकों को विशेष तौर पर अभ्यास करवाया गया । विगत कही दिनों से एक साथ सभी के कदम निकले , इसके लिए अभ्यास हुआ । सभी का गणवेश पूर्ण रहे एवं समान रहे , इस हेतु प्रत्येक गणवेश की बारीकी से जांच की गई । चुनिंदा स्वयंसेवकों को ही इस संचलन में भाग लेने की अनुमति दी गई ।

घोष दल ने बढ़ाया स्वयंसेवकों का मनोबल... - संचलन में घोष दल भी अपनी रचनाएं बजाते हुए चल रहे थे, जो कि आकर्षण का केंद्र रहा। संघ घोष से स्वयंसेवक के अंदर एक अलग ही ऊर्जा का संचार नजर आया ।

बाबा साहब के सम्मान में की प्रदक्षिणा.... - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक जब संचलन के माध्यम से स्थानीय अंबेडकर चौराहे पर पहुंचे तो उन्होंने प्रदक्षिणा के माध्यम से बाबा साहब की जन्म जयंती पर अपना सम्मान व्यक्त किया। आपको बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रदक्षिणा के माध्यम से बाबा साहब की प्रतिमा के चारो ओर स्वयंसेवकों द्वारा एक रचना का निर्माण किया गया जो कि आम जनों के लिए आकर्षण का केंद्र भी रहा । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रदक्षिणा देना सर्वोच्च सम्मान में से एक है जो विशेष अवसर पर संघ के स्वयंसेवकों के गुरु परम पवित्र भगवा ध्वज की भी की जाती है ।

घोष दल ने बाबा साहब के सम्मुख रचनाओं की दी प्रस्तुति.... - आपको बता दे संघ में घोष (बैंड) का वादन स्वयंसेवकों द्वारा ही किया जाता है जिसका अभ्यास निरन्तर किया जाता है। संघ के घोष दल द्वारा बाबा साहब की जन्म जयंती पर बाबा साहब की प्रतिमा के सामने खड़े होकर क्रम अनुसार विभिन्न रचनाओं की प्रस्तुति भी दी गई। वहां स्थित गणमान्य नागरिकों का मन मोह रही थी। जिसके पश्चात जिला संघ चालक द्वारा संघ के प्रतिनिधि के रूप में बाबा साहब का माल्यार्पण भी किया ।

बाबा साहब की मूर्ति पर किया माल्यार्पण... - घोष दल के सम्मान के बाद जिला संघ चालक बाबूलाल हामड़ द्वारा संघ के प्रतिनिधि के रूप बाबा साहब का माल्यार्पण भी किया ।

तत्पश्चात सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर बाबा साहब द्वारा स्थापित आदर्शों को याद करते हुए बाबा साहब अमर रहे अमर रहे की आवाज से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

गरीब, वंचित, किसान, युवा, समाज के सभी वर्गों के लिए मोदी सरकार ने अनेक योजनाओं से लाभ पहुंचाने का कार्य किया है : चेतन कश्यप

धार। 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव के मैदान में उतर चुकी है इसी कड़ी में 14 अप्रैल को जिले के धामनोद में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री चैतन्य ने प्रबुद्धजन सम्मेलन को सम्बोधित किया। सर्व प्रथम भीमराव अम्बेडकर जयंती पर बाबा साहेब को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सम्मेलन में जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, लोकसभा प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार,संयोजक प्रभु राठौर, संगठन जिला प्रभारी श्याम बंसल, पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद शर्मा धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर, भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक मोहित तातेड मंचासीन रहे। प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए चैतन्य कश्यप कहा कि 2014 से लेकर 2024 तक मोदी जी के नेतृत्व में देश के अंदर अनेक विकास के कार्य और जनहित के कार्य किए गए हैं राम मंदिर निर्माण, महिला आरक्षण, संसद भवन का निर्माण धारा 370 कश्मीर समस्या का समाधान आतंकवाद विराम लगाने, दुश्मन देश को आंख

से आंख मिलाकर जवाब देने का कार्य देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। गरीब वंचित किसान युवा तथा समाज के सभी वर्गों के लिए मोदी सरकार ने अनेक योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचने का कार्य किया है। भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर के लिए जनता का आशीर्वाद मांगते हुए कहा की तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री बना कर विकास को गति प्रदान करें। हम सब कदम से कदम मिलाकर कार्य करेंगे। विनोद शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव सामान्य चुनाव नहीं है यह चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है जहां से भारत का भविष्य तय होना है । जिला भाजपा अध्यक्षम मनोज सोमानी ने कहा की दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर कार्य हुए है। इस बार भाजपा को 400 से ज्यादा सीटों पर विजय का आह्वान किया।

विधायक कालू सिंह ठाकुर ने कहा की कांग्रेस केंद्र और प्रदेश में जब शासन की उस दौरान विकास कार्य किए होती तो आज यह हाल ना होता ,60 साल कांग्रेस शासन करने के बाद भी पक्का मकान फ्री उपचार स्वास्थ्य बिजली जैसी अन्य सुविधाएं जनता को उपलब्ध नहीं कर सकी। मोदी सरकार तथा मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद से सड़क बिजली पानी सिंचाई स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर कार्य किए गए।

खजुराहो में किसी दूसरे कैंडीडेट को समर्थन करेगा 'इंडी' गठबंधन

जल्द होगा ऐलान, सपा अध्यक्ष बोले-चुनाव आयोग बीजेपी का एजेंट बनकर कर रहा काम

भोपाल। खजुराहो सीट पर समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा यादव का नामांकन फार्म निरस्त होने के बाद अब इंडी गठबंधन आज सोमवार को दूसरे दल के उम्मीदवार को समर्थन का ऐलान करेगा। पीसीसी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव ने कहा- भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष खजुराहो से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या की है। एक महिला का पर्चा निरस्त कर दिया। भाजपा महिलाओं की सुरक्षा की बात करती है लेकिन, भाजपा पूरे देश में ऐसे हालात पैदा कर रही है हम चाहे झारखंड में देखें या दिल्ली में... लोकतंत्र और न्याय की बात ही नहीं हो रही है। चुनाव आयोग भी भारतीय जनता पार्टी का एजेंट बनकर काम कर रहा है। खजुराहो में गठबंधन की उम्मीदवार का पर्चा केवल साइन ना होने की बात कह कर निरस्त कर दिया जाता है। कलेक्टर जब पर्चा लेता है तब वह बिना साइन के ले ही नहीं सकता। ये उनकी जिम्मेदारी होती है। यह जानबूझकर साजिश की जा रही है। इससे पहले विधानसभा चुनाव में इन्होंने बड़ी-बड़ी बातें की थीं। महिलाओं को तीन हजार रुपए देंगे। किसी को रुपए नहीं मिले। 450 रुपए में सिलेंडर देने की बात की थी, लेकिन आज तक किसी को 450 में सिलेंडर नहीं मिला है। जो मोदी जी की गारंटी बताते हैं, वह झूठ की गारंटी है। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- उत्तर प्रदेश की बात करें या मध्य प्रदेश की कोई भी भर्ती निकलती है तो इसका पर्चा पूरा लीक हो जाता है। आज भारत में न्याय नहीं मिल रहा है चंडीगढ़ में जो चुनाव में कैद हुआ वह लोकतंत्र की सीधी हत्या है सबके सामने आया है चुनाव आयोग ने फटकार भी लगे, लेकिन यह घबराए हुए हैं जो इनका पहले फूल अच्छा चलता था। यह लोग डरे हुए हैं कि खजुराहो में क्या हो सकता है पूरे मध्य प्रदेश में इंडिया गठबंधन अच्छी स्थिति में है हम लोग खजुराहो सीट पर मंथन कर रहे हैं पूरी तरह से इंडिया गठबंधन मिलकर पूरे देश में हर आएगी।

भाजपा शासित राज्यों में रोकी जा रही जातिगत जनगणना

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां जानबूझकर जाति का जनगणना रोकी जा रही है। यह केवल धर्म के नाम पर जनता को बहलाते रहते हैं मोदी जी के जाने का समय हो गया है अगर हिटलर के शासन को देखें तो हिटलर का शासन 10 साल तक ही रहा था। हिटलर की विदाई हुई थी उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन उनकी विदाई करने वाला है। 2024 में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। पूर्व मंत्री और कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने कहा- भाजपा ने पिछले घोषणा पत्र में किये गए वादे पूरे नहीं किए। हर साल 2 करोड़ लोगों को रोज़गार देने का वादा किया था। हम चाहते है 10 सालों में 20 करोड़ लोगों को रोज़गार दिया है तो पोर्टल पर डाल दें हमे विश्वास हो जाएगा। कितने लोगों को रसोई गैस कनेक्शन दिए? पहले 500 रुपये में सिलेंडर आता था अब 1200 रुपए का आता है। गांव में सिलेंडर कचरे में डले हैं वो रिफिलिंग नहीं करा पाए। कृषि उत्पादन के भाव बढ़ गए किसान घाटे में हैं। किसानों की फसलें खराब होने पर किसानों को मुआवजा नहीं मिल सका। मुकेश नायक ने कहा- मप्र में महिलाओं के खातों 1200 रूपए डाले लेकिन, 3 हज़ार डालने का वादा किया गया था अब तक महिलाओं के खाते में 3 हज़ार नहीं आए। महंगाई बढ़ी है। सिंचाई पेयजल को लेकर जो योजनाएं बनाई गई हैं वो अधूरी पड़ी हैं। नल जल योजना में भ्रष्टाचार हुआ है जमीन पर काम नहीं हुआ। आज भी गांव में शौचालय नहीं है। लोग खुले में शौच कर रहे हैं। भाजपा ने आर्थिक जनगणना को नकारा है। भारतीय जनता पार्टी ने आर्थिक सर्वेक्षण की इस योजना को यह कहकर खारिज कर दिया कि इससे जातिवाद देश में बढ़ेगा। इस देश में जातिवाद तो भारतीय जनता पार्टी ने ऐसा कर दिया है कि आज जातिवाद से पूरा देश जला जा रहा है। क्षेत्रीय जरूरतों को अनदेखा करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने आर्थिक जनगणना को नकार दिया है। इससे पता लगता है कि भारतीय जनता पार्टी केवल शिगूफा और आर्थिक सामाजिक न्याय की आड़ में केवल देश में चुनाव जीतने का कारखाना बन गई है।

भाजपा का संकल्प पत्र अगले पांच वर्ष का विजन डॉक्यूमेंट है

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले- संकल्प-पत्र में 2047 का विकसित भारत निहित है

भोपाल। डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 का संकल्प पत्र (मोदी जी की गारंटी) जारी किया। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यह संकल्प-पत्र अगले पांच वर्ष के विकास का विजन डॉक्यूमेंट है। सीएम ने कहा कि इस संकल्प-पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अगले पांच वर्ष सभी वर्गों को साथ लेकर चलने का विजन है। यह विजन डॉक्यूमेंट भी भाजपा ने संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जारी किया है, जो यह बताता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दलित, वंचित, शोषित व सर्वहारा वर्ग के लिए भाजपा सरकार आगे लगातार कार्य करती रहेगी। संकल्प-पत्र में जो बातें कही गई हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार उन सभी बातों को पूरा करेगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आज संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जन्म-जयंती पर अपना संकल्प-पत्र जनता के सामने प्रस्तुत किया है। इस संकल्प-पत्र को लेकर हम सब संकल्प ले सकते हैं कि अगले पांच वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गरीब कल्याण, सेवा, सुशासन को समर्पित होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को विकसित बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। इस संकल्प-पत्र में 2047 का विकसित भारत निहित है। भारतीय जनता पार्टी जो संकल्प लेती है उस संकल्प को पूरा करती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया गया है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता इस दिशा में काम करेगा।

निशा बांगरे का कांग्रेस से मोहभंग, दे दिया इस्तीफा

लिखा-पार्टी में नारी सम्मान नहीं, भाजपा में शामिल हो सकती हैं पूर्व डिप्टी कलेक्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश का विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए डिप्टी कलेक्टर पद छोड़ने वाली निशा बांगरे ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। वे जल्द ही बीजेपी में शामिल हो सकती है। निशा ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को पत्र भेजकर पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त करने को कहा है। उन्होंने कांग्रेस पर धोखा देने और षड्यंत्र कर चुनाव लड़ने से रोकने का आरोप भी लगाया है। दो पन्नों के पत्र में उन्होंने लिखा, मैं समझती थी कि कांग्रेस पार्टी से चुनाव लड़कर समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित लोगों का प्रतिनिधित्व करूंगी। बाबा साहब के सपनों को साकार कर सकूंगी। लेकिन पिछले 6 महीने से कांग्रेस की नीयत को करीब से आंकलन कर मैंने यह पाया कि कांग्रेस पार्टी ने मुझे धोखा दिया। पूर्व डिप्टी कलेक्टर ने लिखा, कांग्रेस में नारी सम्मान के लिए कोई स्थान नहीं है। जिसका ताजा उदाहरण लोकसभा चुनाव 2024 में मध्यप्रदेश में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व न मिलना भी है। मैं राजनीति में व्यापक स्तर पर कार्य करना चाहती थी लेकिन कांग्रेस ने मेरी योग्यता को ही अयोग्यता बना दिया। अतः मैं कांग्रेस पार्टी के सभी दायित्वों से मुक्त होना चाहती हूं। अपना पूरा जीवन बाबा साहब के विचारों के प्रचार प्रसार के लिए समर्पित करती रहूंगी। कांग्रेस ने निशा बांगरे को प्रदेश महामंत्री और मुख्य प्रवक्ता बनाया था। इससे पहले उन्होंने सरकारी नौकरी में वापस आने की इच्छा जताई थी। इसके लिए उन्होंने 3 महीने पहले मुख्य सचिव वीरा राणा को आवेदन भेजा था। अभी तक विभाग की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। बांगरे छतरपुर जिले में बतौर डिप्टी कलेक्टर पोस्टेड थीं। छतरपुर जिले के लवकुश नगर में एसडीएम रहते उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। वे बैतूल जिले की आमला सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती थीं। इसी वजह से सरकारी नौकरी से इस्तीफा दिया था। उनका इस्तीफा शासन की ओर से जब तक स्वीकार किया गया, तब तक कांग्रेस ने मनोज मालवे को उम्मीदवार घोषित कर दिया था। ऐसे में वे चुनाव नहीं लड़ पाई थीं।

भोजशाला सर्वे

हिन्दू पक्ष का दावा-गुंबदों के नीचे हनुमान-शिव मंदिर

- दरगाह के नीचे तलघर, एएसआई की टीम गर्भगृह में भी कर रही सर्वे

भोपाल। धार की भोजशाला में चल रहे एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) सर्वे के बीच हिन्दू पक्ष ने बड़ा दावा किया है। हिन्दू पक्ष के गोपाल शर्मा का कहना है कि कमाल मौलाना दरगाह के नीचे तलघर है। साथ ही दो गुंबदों में से एक के नीचे भगवान हनुमान का मंदिर हैं। दूसरे गुंबद के नीचे दक्षिणेश्वर महादेव शिवलिंग की स्थापना थी। एएसआई की टीम गर्भगृह में भी सर्वे कर रही हैं। बता दें कि इंदौर हाईकोर्ट के आदेश पर धार की भोजशाला में ज्ञानवापी की तर्ज पर वैज्ञानिक सर्वे किया जा रहा है।

सर्वे का आज रविवार को 22वां दिन है। एएसआई की टीम के 22 अधिकारी-कर्मचारी, 27 मजदूर और दोनों पक्षों के 3 सदस्य सुबह 8 बजे परिसर में पहुंचे। टीम के पास आधुनिक उपकरण थे। भोजशाला परिसर और उसके 50 मीटर के दायरे में उत्खनन, जीपीएस, जीपीआर, उच्च स्तरीय फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी सहित अन्य आधुनिक तकनीक की मदद से सर्वे हो रहा है। यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात हैं। हिन्दू पक्ष के गोपाल शर्मा ने बताया कि भोजशाला के उत्तर, दक्षिण और पश्चिम में काम चल रहा है। गर्भ गृह में भी तेजी से सर्वे का काम हो रहा है। आने वाले समय में जांच के लिए कुछ नए साइंटिस्ट और मशीनें भी आने वाली हैं। जो साक्ष्य सामने आएंगे, उससे भोजशाला का सच सामने आएगा। शर्मा ने कहा कि धार शहर में जो 437 मजारें हैं, वे नाथों की समाधियां हैं। कमाल मौलाना 1269 में आए थे, सन 1305 में अहमदाबाद चले गए थे, उनकी मजार पुराना जीपीओ कार्यालय के पीछे बनी हुई है। उनके मरने के 300 साल बाद 16वीं शताब्दी में मोहम्मद खिलजी और मोहम्मद गौरी ने वहां से ईंट लाकर हमारे दोनों देवस्थानों को ध्वस्त कर मजार बना दी थी, कई उदाहरण हैं जैसे ताजमहल में जाओ तो नीचे तलघर है। वहां नीचे एक सफेद मजार बनी हुए है। जिस पर जमुना जी का पानी एक-एक बूंद गिरता है पानी शिवलिंग पर ही गिरता है। उन्होंने कहा- इसी प्रकार कुतुब मीनार 27 हिंदू और जैन मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था, अकबर ने इलाही धर्म की स्थापना की थी। कुछ सूफी संत तैयार किए थे। उन्हीं सूफी संतों ने देश के हिंदू मंदिरों में जाकर सेवा की आड़ में धर्मांतरण किया था। आज वह 30 हजार स्थान हिंदू मंदिरों से वंचित होकर मस्जिदों में परिवर्तित हुए हैं और हिंदू समाज अपमानित हुआ है। उसी में एक भोजशाला भी है। धार की भोजशाला में 5 हजार विद्यार्थी अध्ययन करते थे। 1300 आचार्य विद्यादान करते थे। यहां से तैयार होने के बाद विद्वान पूरे आर्यावर्त में हिंदू समाज का प्रचार करना और हिंदू समाज का मार्गदर्शन करने का काम करते थे।

इस मानसिकता को खत्म करने के लिए 1305 में अलाउद्दीन खिलजी ने यहां आक्रमण किया था। इस सर्वे के बाद निश्चित रूप से यहां पहले राजा भोज के काल में इस भोजशाला का जो स्वरूप था, मां सरस्वती मंदिर का जो स्वरूप था वह फिर से प्राप्त होगा। वहीं कमालुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष और मुस्लिम पक्षकार अब्दुल समद खान ने बताया कि दरगाह के अंदर जो भी शिलालेख और पत्थर मिल रहे हैं जिन पर उर्दू अरबी और फारसी में लिखा हुआ है। उनकी जांच के लिए कार्बन डेटिंग होगी। सर्वे के दौरान साफ सफाई फोटोग्राफी वीडियोग्राफी, लेबलिंग स्केचिंग और ड्राफ्टिंग का काम हुआ है, जिससे वे किस समय के हैं यह पता लगाया जा सके। यह सारी बातें कोर्ट के सामने ही पेश की जाएगी।

कैसे करते हैं स्त्री-पुरुष अपना श्रृंगार, युवाओं ने जाना

देश में पहली बार इस विषय पर एमपी के उज्जैन में हुई स्टडी

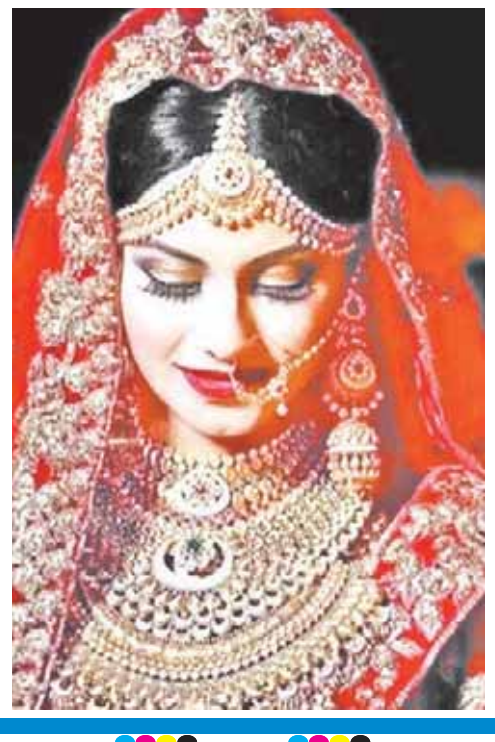

भोपाल। विक्रम विश्वविद्यालय के 28वें दीक्षांत समारोह में विभिन्न विषयों पर उपाधि लेने वाले विद्यार्थियों के बीच ही ग्रामीण क्षेत्र की एक युवा शोधार्थी ने पारंपरिक से लेकर आधुनिक समय तक स्त्री-पुरुष के श्रृंगार प्रसाधन, उनकी संस्कृति और साहित्यिक अभिव्यक्ति पर शोध किया है। यह इस विषय पर देश की पहली पीएचडी उपाधि प्राप्त की है। मूलतः मनिहार कला व्यवसाय से जुड़ी डॉ सलमा शाइन मनिहार ने स्त्री-पुरुष के श्रृंगार प्रसाधन, उनकी संस्कृति और साहित्यिक अभिव्यक्ति पर शोध कर देश की पहली पीएचडी उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि वे जिले की तराना तहसील में निवास कर पारिवारिक व्यवसाय चूड़ी बनाने और विक्रय के कार्य से जुड़ी है। लाख, कांच, ब्रास आदि की चूडियों के निर्माण और व्यवसाय में मनिहार कला का उपयोग किया जाता है। लाख की चूडियों पर नग, कांच आदि चढ़ाते हुए उन्हें आकर्षक रूप दिया जाता है। परिवार में मनिहार कला का काम पुरानी पीढ़ी से किया जाता है। वे बचपन से ही इस कला में निपुण थी। डॉ. सलमा शाइन ने हिन्दी साहित्य में एमए का पाठ्यक्रम करने के दौरान ही प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा के निर्देशन में चूडियों पर किए जाने वाले मनिहार कला पर रिसर्च पेपर लिखा था। जिसके अंतर्गत स्त्री-पुरुष के श्रृंगार और मनिहार कला का उल्लेख किया गया था। इस रिसर्च पेपर को सराहना मिली। प्रो शैलेंद्र कुमार शर्मा ने उन्हें इस कार्य को विस्तार देते हुए और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. सलमा शाईन ने बताया कि चार वर्ष में पीएचडी पूर्ण की है। इसमें महिलाओं के पारंपरिक से लेकर आधुनिक समय तक के आभूषण वस्त्र,रूप सौन्दर्य और रूप श्रृंगार सहित पुरुषों के आभूषण घड़ी, चेन, अंगूठी, वस्त्र रूप सौन्दर्य को शामिल किया गया। इसमें यह भी बताया गया की कैसे श्रृंगार समय के साथ बदलता गया और आधुनिक समय में किस तरह का श्रृंगार किया जाता है।। प्रो. प्रज्ञा थापक और प्रो. शर्मा के निर्देशन में स्त्री-पुरुष के पारंपरिक श्रृंगार-प्रसाधन पर मालवी लोक साहित्य एवं संस्कृति के साथ अनुशीलन करते हुए शोध कार्य प्रारंभ किया। इसके लिए पारंपरिक से लेकर आधुनिक समय तक स्त्री-पुरुषों द्वारा किए जाने वाले श्रृंगार को केंद्रित रखते हुए प्राचीन समय से प्रयुक्त होने वाली श्रृंगार सामग्री, वस्त्र, आभूषण पर पांच वर्ष के दौरान शोध कार्य पूर्ण किया। उन्होंने स्थान स्थान पर जाकर फोटोग्राफ लिए और लोक समुदाय से साक्षात्कार, वाचिक साहित्य, संस्कृति का सर्वेक्षण एवं विवेचन किया। प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मनिहार कला चूड़ियों, पाटले, बाजूबंद और कंठहार आदि पर होने वाली एक विशेष प्रकार की कला को कहा जाता है। चूड़ियां महिलाओं के श्रृंगार प्रसाधन में उपयोग में आती है, इसीलिए श्रृंगार प्रसाधन पर केंद्रित करते हुए शोध कार्य शुरू कराया गया। स्त्री-पुरुष के श्रृंगार पर केंद्रित शोध कार्य संभवतः देश का पहला शोध कार्य है।

दलालों के एजेंट ने रिजर्वेशन कराने आए शख्स को पीटा

भोपाल जीआरपी ने नहीं लिखी एफआईआर पीड़ित ने लगाया संरक्षण का आरोप

भोपाल। भोपाल के मुख्य रेलवे स्टेशन स्थित रिजर्वेशन बिल्डिंग के बाहर दलालों के एजेंट ने एक शख्स की पिटाई कर दी। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस से की है। पीड़ित अजमल खान ने बताया कि रविवार सुबह रिजर्वेशन बिल्डिंग के गेट पर दलालों के एजेंट ने उनके साथ मारपीट की है। अजमल ने दलाल और उनके एजेंट्स पर पुलिस सरंक्षण का आरोप लगाया है। फरियादी अजमल खान ने बताया कि रेलवे का रिजर्वेशन काउंटर सुबह आठ बजे खुलता है। वे रविवार सुबह 5.30 बजे ही मैन गेटे के बाहर लाइन में लग गेट के सामने बैठ गए। कुछ देर बाद ही आमिर नाम का व्यक्ति अपने चार-पांच साथियों के साथ आया। उसने मुझसे गेट से हटने कहा। मेरे मना करन पर मेरे साथ जान से मारने की धमकी देते हुए अभ्रदता की। जब मैंने विरोध किया तो उसने मुझे धक्का दे दिया। मैंने इसकी शिकायत जीआरपी और आरपीएफ से की। पुलिस ने पांच में से दो आरोपियों को तुरंत पकड़ तो लिया लेकिन 10 मिनट बाद छोड़ भी दिया। वे रिजर्वेशन काउंटर पर आकर मुझे फिर धमकाने लगे। अजमल खान ने बताया कि वह लोग दलालों के लोग हैं। हर दिन ये काउंटर खुलने से पहले ही बड़ी संख्या में लाइन में लग जाते हैं। इनके पास कोई फॉर्म भी नहीं होता है। बीच-बीच में लाइन में लगे लोगों को कोई दूसरा फॉर्म देकर चला जाता है।